तापमान
अधिकतम 36 .0 डिग्री
न्यूनतम 23 .0 डिग्री

हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 11 मई 2025

12 अपराधियों का बढ़ा खौफ एमएलए ने की सीएम से मुलाकात

12 मौजगढ़ से तालाबों-नालों की सफाई का काम शुरू हुआ

कृषि-तकनीकी प्रदर्शनी एवं स्टार्टअप कॉन्क्लेव का आयोजन

देश के लिए किसान व जवान होते हैं महत्वपूर्ण : श्याम राणा

इस समय देश में अन्न भंडार भरे हुए हैं : कृषि मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि किसी भी देश के लिए किसान व जवान सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। युद्ध

- प्रदर्शनी के दौरान किसानों को सम्मानित किया गया

कितना भी लंबा चले खेती कम नहीं होनी चाहिए। इस समय देश में अन्न भंडार भरे हुए हैं। किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं है।

किसानों द्वारा खेती को राष्ट्र के लिए करनी होगी। ऐसा सोचकर किसान यदि कृषि के क्षेत्र में आए तो राष्ट्र की तरक्की होगी। जो व्यक्ति जिस रास्ते पर चलेगा वो उसी राह पर चलते हुए विकास करवाकर विकसित भारत में सहयोग करेगा। वैश्विक तरीके से खेती करने से अर्थव्यवस्था में सुधार होगा।

कुरुक्षेत्र। किसानों को सम्मानित करते कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा शनिवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के सभागार में नवीन जिंदल फाउंडेशन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कृषि-तकनीकी प्रदर्शनी एवं स्टार्टअप कॉन्क्लेव में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जहां हम बैठे हैं ये कुरुक्षेत्र है। यहां पर सृष्टि के लिए सबसे पहले खेती का क्षेत्र ब्रह्माजी ने तय किया था। यहीं से दूसरे क्षेत्र के लोगों को खेती करने की सीख मिली थी। भारत कृषि प्रधान देश है। पूरी दुनिया से यदि 100 एकड़ का चयन करें तो सबसे अच्छी भूमि हमारे देश की मिलेगी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि खेती तीन प्रकार की होती है। इसमें रासायनिक खेती, ऑर्गेनिक खेती और प्राकृतिक खेती शामिल है। पानी का कम प्रयोग हो। समय कम लगे और पैसा बने। इसके लिए सरकार ने प्रति एकड़ की खेती के लिए प्रति देशी गाय पर सब्सिडी दी जा रही है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने एक लाख एकड़ का लक्ष्य तय किया है। सरकार पूरी तरह से किसानों के साथ खड़ी है। इस मौके पर एमएसपी कमेटी सदस्य विनोद आनंद, प्रो. रमेश सिहमार, विशाल वर्धन, रणधीर सिंह, गुरनाम सिंह चढ़ूनी, राहुल ढींगडा, राजकुमार सैनी, पद्मश्री भारत भूषण त्यागी, रविन्द्र सांगवान, रमेश सिंह, कर्मचंद सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

प्राकृतिक खेती करें

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हमने प्राकृतिक खेती की तरफ बढना है। इसके लिए केंद्र और प्रदेश सरकार ने किसानों के लिए अपनी-अपनी योजनाएं बनाकर लागू की हुई हैं। उन्होंने कहा कि किसान की आमदनी बढ़ाई जाए, खर्च कम किया जाए।

दो बाइक की भिड़ंत में एक की मौत, पत्नी व दो बच्चे घायल

यमुनानगर। बिलासपुर थाना क्षेत्र के गांव ढलोर संत निरंकारी भवन के पास देर शाम दो बाइकों की भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में मृतक की पत्नी व उसके दो बच्चे घायल हो गए।

घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। आरोपी बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

- आरोपी बाइक चालक के खिलाफ किया केस दर्ज

गांव सुलखनी निवासी रितु ने बताया कि वह आठ मई को अपने पति 27 वर्षीय राहुल, बेटे एक साल के गीतांश व तीन साल के हर्षित के साथ बाइक पर किसी काम से गए थे। शाम को जब वह वापस घर लौट रहे थे तो संत निरंकारी भवन ढलोर के पास तेज गति से बाइक लेकर आ रहे निखिल ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सभी नीचे गिरकर घायल हो गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसके पति राहुल को मृत घोषित कर दिया।

आप सभी को
समाजसेवी जगपाल जौरासी
मां
सुभाष जौरासी व विनोद कुमार, पुत्रवधु उषा देवी उर्फ मीना, बबली व इन्दु एवं पौते व पौतियों की ओर से मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
संस्कारी परिवार और संस्कारों को जीवन में उतारे ताकि हर माता-पिता खुश रहें।
अपनी माता चन्द्रो देवी की याद में मातृ दिवस पर कुछ खास लम्हें जनता को समर्पित
हर व्यक्ति भगवान से पहले अपने माता-पिता को खुश रखे तो जीवन होगा साकार: जगपाल जौरासी
समाजसेवी जगपाल जौरासी की ओर से आगामी 11 मई को मातृ दिवस के अवसर पर सिविल अस्पताल समालखा में मां की रसोई स्वर्गीय श्रीमती चंद्रो देवी के नाम से की जाएगी जनता के लिए समर्पित, यहां जच्चा बच्चा केंद्र पर खाने-पीने का समान होगा फ्री में उपलब्ध सिविल अस्पताल में फिजियोथैरेपी के बरामदे में दो कमरे मरीज के बैठने के लिए तैयार करके किए जाएंगे जनता को समर्पित।

रिंकी अपनी दादी के साथ | प्राची अपनी दादी के साथ | श्वेता दादी चन्दो के साथ सेल्फी लेती हुई | पोता घोड़ी बनाकर दादी को सैर करवाते हुए
जय दादी को केक खिलाते हुए | दादी पौते को पिज्जा खिलाती हुई | जगपाल जौरासी अपनी पत्नी ऊषा उर्फ मीना के साथ अपनी मां को दवाई देते हुए | मां के साथ बेटा सुभाष | जन्मदिन पर केक खिलाते ताऊ
जय अपनी माता को प्यार करते हुए, साथ में अन्य परिवारजन | चन्द्रो देवी बेटे, पोते व पोतियों के साथ | माता चन्द्रो देवी के आंचल के सोते हुए बेटा विनोद | जन्मदिन पर बेटे को केक खिलाती मां
समाजसेवी जगपाल जौरासी की ओर से सभी परिवारों को संदेश समर्पित
जगपाल जौरासी अपनी मां की देखभाल करते हुए | ऊषा उर्फ मीना अपनी सास चन्द्रो देवी के साथ | चन्द्रो देवी की पुत्रवधू सबली देवी | पारिवारिक डॉ. आई.सी. गर्ग व बेटा जगपाल मां को सेवा करते हुए | समाजसेवी जगपाल जौरासी, सुभाष, विनोद व पोती के साथ माता चन्द्रो देवी

करनाल रिंग रोड पर बनाना ही होगा इंटर चेंज मार्ग : रतनमान

- 12 मई को डीसी से मिलेगा भाकियू का प्रतिनिधिमंडल
- किसानों की मांग नहीं मानी गई तो रोक देगें निर्माण कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने गांव सोहाना पहुंच कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। गांव सोहाना में आयोजित किसान पंचायत में उपस्थित ग्रामीणों ने सोहाना गांव के समीप बनाया जा रहा निर्माणाधीन करनाल रिंग रोड पर इंटर चेंज मार्ग न बनाए जाने का मामला प्रदेशध्यक्ष रतनमान के समक्ष उठाया।

पंचायत की अध्यक्षता पूर्व सरपंच जगबीर सिंह बदरान ने की। ग्रामीणों ने कहा कि जो कुटेल से गांव दादुपुर खुर्द तक रिंग रोड बनाया जा रहा है उसके प्वाईंट न. 18+00 किलोमीटर पर इंटर चेंज मार्ग नही बनाया जा रहा है। करनाल के सहकारी शुगर मिल से शेखपुरा व सोहाना से होते हुए यह सडक़ रसूल पुर कलां सहित कई गांव तक पहुंचती है। इसलिए यहां पर इंटर चेंज मार्ग बनाए जाने की जरूरत है। प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने कहा कि इस मांग के समाधान के लिए जोरदार संघर्ष भी करना पड़ा तो वे पीछे नही हटेंगे।

करनाल। ग्रामीणों की पंचायत को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष रतनमान।

ग्रुप बी चेस में लड़कियों में लोटस सदन प्रथम

भाकियू नेता सुरेंद्र सांगवान व उपस्थित ग्रामीणों ने एक स्वर में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इंटर चेंज मार्ग की मांग को माना नहीं गया तो ग्रामीणों द्वारा मजबूरी वंश रिंग रोड के निर्माण कार्य को रोकना पड़ा तो अपने कदम पीछे नहीं हटाएगें। इसलिए इस संबंध में आने वाली 12 अप्रैल को जिला उपायुक्त उत्तम सिंह से भेंट करके प्रबल तरीके से यह मांग उठाई जाएगी।

शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा

यमुनानगर। बिलासपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से युवक शादी का झांसा देकर युवती को अगवा करके ले गया। पुलिस ने युवती के परिजनों की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बिलासपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 24 वर्षीय लड़की नौ मई को किसी काम से घर से बाहर गई थी मगर उसके बाद वापस नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बाद भी उन्हें अपनी लड़की का कुछ भी पता नहीं चला। जांच के दौरान उन्हें मालूम हुआ कि उसकी लड़की को गांव पिपली वाला निवासी हर्ष शादी का झांसा देकर अगवा करके ले गया है। उसने आरोपी युवक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

सहारनपुर का अंकुश पुलिस मुठभेड़ में काबू

- पांव में गोली लगने से हुआ जख्मी, अस्पताल में दाखिल
- नारायणगढ़ की नई अनाज मंडी के बाहर किया था फायर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

नारायणगढ़ की नई अनाजमंडी के बाहर 1 मई को हवाई फायर करने के मामले में सीआईए वन ने सहारनपुर के अंकुश गुर्जर को मुठभेड़ के दौरान काबू किया है।

मुठभेड़ के दौरान आरोपी अंकुश के पांव में गोली लगी है। उपचार के लिए उसे यहां के नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। 34 साल के अंकुश गुर्जर को पुलिस काफी दिन से तलाश रही थी। टीम को आरोपी अंकुश गुर्जर के कस्बे में होने की सूचना मिली थी। तभी जांच टीम ने आरोपी को काबू करने की योजना बनाई। जांच टीम के मुताबिक जब आरोपी को सरेंडर करने के आदेश दिए तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में आरोपी को एक गोली पांव में लगी। इसी वजह से वह भाग नहीं पाया। सीआईए ने इस दौरान आरोपी को काबू कर लिया। अंकुश गुर्जर पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

दो आरोपी रिमांड पर

इस मामले में पुलिस ने पहले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपी रिमांड पर चल रहे हैं। इन आरोपियों ने 1 मई की सुबह सब्जी मंडी के गेट पर धमकाने के इरादे से चार हवाई फायर किए थे। जाते समय आढ़ती बुद्धिराजा को फिरौती के लिए धमकी दी थी।

महिला की मौत, चार नामजद

यमुनानगर। रादौर थाना क्षेत्र के गांव छारी में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत हो गई। मृतका के मायके वालों की शिकायत पर पुलिस ने मृतका के पति समेत ससुराल पक्ष के चार लोगों के खिलाफ दहेज हत्या के आरोप में केस दर्ज किया है। गांव दुबली निवासी उषा रानी ने बताया कि उसकी 25 वर्षीय बेटी जीतो देवी उर्फ रेणु की शादी गांव छारी निवासी टोनी कुमार के साथ की थी। उन्हें सूचना मिली थी कि उनकी लड़की की तबीयत खराब है। वह मौके पर पहुंचे तो लड़की मृत हालत में घर में पड़ी मिली।

हर कदम आसान..... हरियाणा के पहले
+पोजीट्रोन
सुपर स्पेशलिटी एवं कैंसर अस्पताल
वर्ल्ड क्लास रोबोट
से घुटने बदलने की सर्जरी के साथ
जल्दी रजिस्टर करें!
विशेष लॉन्च डिस्काउंट का लाभ उठाएँ!
85710 81699, 01262-663000
Sector-35, Suncity, Rohtak

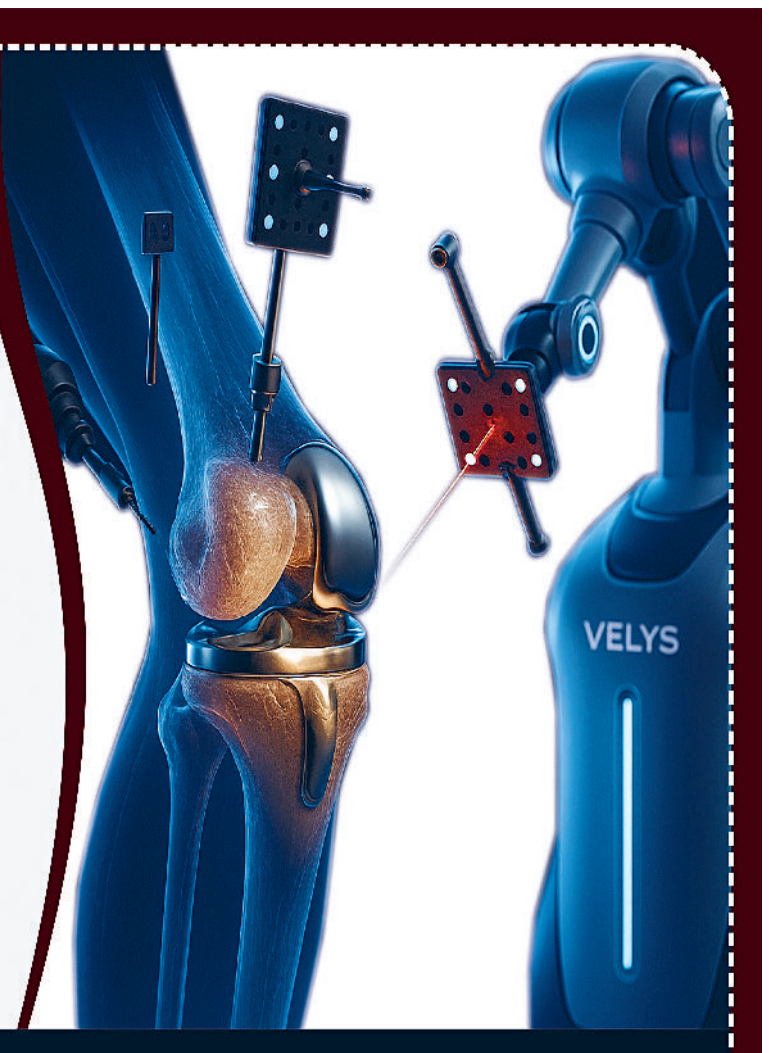

खबर संक्षेप

देश का किसान सेना और सरकार को समर्थन देगा

करनाल। भारतीय किसान यूनियन सर छोटूराम ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में देश का किसान और मजदूर भारत की सरकार और

सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। पूरे देश का किसान तन मन और धन से सेना और सरकार को समर्थन देगा। भाकियू सर छोटूराम के प्रवक्ता बहादुर मेहला बलड़ी ने कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से भारत समेत दुनिया के कई देशों को जनहानि हुई है। पाकिस्तान ने आतंकवादियों को पालने पोसने का काम किया है। पहलगाम में देश के 26 निर्दोष नागरिकों को आतंकवादियों ने गोलियां मार दी। इस घटना में करनाल ने होनहार बेटा विनय नरवाल के रूप में खो दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद, आतंकियों और उनके पोषकों को जड़ से खत्म करना होगा। देश के किसान और मजदूर इस संघर्ष में सेना व सरकार का साथ देने के लिए तैयार हैं।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

करनाल। गुरु नानक खालसा कॉलेज के प्रांगण में पर्यावरण क्लब के सौजन्य से एक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कालेज की प्राचार्या श्रीमति शशी मदान तथा कालेज के पूर्व प्राचार्य डा. गुरिंदर सिंह ने फलों के अलग अलग पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर क्लब की संयोजिका प्रो. अंजु चौधरी, प्रो. बलकौर, प्रो. वीना वैद्य, डा. कृष्ण अरोड़ा, डा. प्रीति, डा. बीर सिंह व कालेज की पूर्व प्राचार्य डा. सीमा शर्मा तथा पूर्व सहायक प्रोफेसर डा. रेनू गोसाईं भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डा. गुरिन्दर सिंह ने क्लब के सदस्यों को हार्दिक बधाई तथा भविष्य में भी इस प्रकार की और गतिविधियां जो कि पर्यावरण सरंक्षण के लिए अति लाभकारी हैं करवाने पर जोर दिया। क्लब की संयोजिका ने सभी का हार्दिक धन्यवाद किया। कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार कवरजीत सिंह प्रिंस ने प्राचार्य और स्टाफ को बधाई दी।

विधायक ने 1.16 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

प्रदेश में बिना खर्ची-बिना पर्ची दिया जा रहा रोजगार : भगवानदास कबीरपंथी

- प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास के सिद्धांत पर बिना भेदभाव के कार्य कर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कि प्रदेश सरकार नॉन-स्टॉप विकास कार्य करवा रही है, प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को भी विकासात्मक व लाभकारी योजनाओं का लाभ मिले और इस पर प्रदेश सरकार लगातार कार्य कर रही है। विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने शनिवार को तरावड़ी के वार्ड नंबर 5, 9, 11, 14 व 15 में करीब 1 करोड़ 16 लाख रुपये की लागत से बनने वाले पार्क, फिरनी, नालियों, नाले, ड्रेन सहित अन्य विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास के सिद्धांत पर बिना किसी भेदभाव के कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा चहुंमुखी विकास को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है और वर्तमान सरकार का यह प्रयास रहा है कि विकास के मामले में प्रदेश के किसी भी क्षेत्र को पीछे नहीं रहने दिया जाए। लोगों ने उन्हें हल्के की बागडोर इसलिए दी कि मैं उनकी समस्याओं का समाधान कर सकूं और मेरा भी दायित्व बनता है कि मैं लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करके लोगों की समस्याओं का समाधान करवा सकूं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बिना खर्ची-बिना पर्ची रोजगार दिया जा रहा है तथा रोजगार के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर नगर पालिका के सचिव अजीत, नगरपालिका प्रधान वीरेंद्र बंसल, पंजाबी सभा के अध्यक्ष राजीव नारंग, देवेंद्र कामरा, जयभगवान सीकरी, रंजीत भारद्वाज, राजेश, पार्षद नरेश गाबा, राजेश, लखविंद्र, कमल, देशराज, मुकेश, गुरशरण ग्रेवाल, उमेश, रामकुमार गुप्ता, संजय, संयोगिता, ओम प्रकाश मल्होत्रा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

19 लाख 27 हजार रुपये से वार्ड 9 में होगा पार्क का निर्माण

विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने शनिवार को तरावड़ी में 19 लाख 27 हजार रुपये की लागत से वार्ड 9 में पार्क का, 12 लाख 50 हजार रुपये की लागत से स्टोर क्लैडिंग व डेकोरेटिव लाईट का, 24 लाख 2 हजार रुपये की लागत से वार्ड नंबर 11 में सडक का, 11 लाख 24 हजार रुपये की लागत से वार्ड नंबर 12 में ड्रेन, पाईपलाइन, जाल व पुलिया का, 14 लाख 48 हजार रुपये की लागत से वार्ड नंबर 14 में मैस्टिक लेयर का, 22 लाख 27 हजार रुपये की लागत से वार्ड नंबर 15 में ड्रेन का और 11 लाख 89 हजार रुपये की लागत से वार्ड नंबर 5 में आरसीसी ड्रेन का शिलान्यास किया।

सरकार शिक्षा के मौजूदा ढांचे को समाप्त करने पर तुली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

- ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 20 मई की हड़ताल को लेकर की बैठक
- शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री चिराग योजना से सरकारी स्कूलों पर लगवाना चाहते हैं ताला

ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 20 मई की हड़ताल की तैयारी के लिए मिड डे मील यूनियन की जिला करनाल की मीटिंग कर्ण पार्क में जिला प्रधान शिमला की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग का संचालन जिला कैशियर ओ.पी माटा ने किया।

जिला प्रधान शिमला, कैशियर ओपी माटा, सीटू जिला प्रधान सतपाल सैनी व उपप्रधान कमलेश ने कहा कि 12 अप्रैल को पानीपत में मिड डे मील यूनियन ने शिक्षा मंत्री के आवास पर रैली की थी और ज्ञापन भी दिया था, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आज तक शिक्षा मंत्री ने यूनियन को बातचीत का समय तक नहीं दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार सार्वजनिक शिक्षा के मौजूदा ढांचे को समाप्त करना चाहती है। हरियाणा के शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री चिराग योजना के नाम पर सरकारी स्कूलों पर ताला लगवाना चाहते हैं। उन्हें यह योजना तुरंत बंद करनी चाहिए जो सरकारी स्कूलों से बच्चे निकलकर निजी स्कूलों में डलवा रही है। सरकारी स्कूलों में बच्चों के दाखिले बढ़ें यह प्रयास हो ,मर्ज स्कूलों करना ओर बंद करना बंद हो। उन्होंने कहा कि केंद्र ओर राज्य के बजट में मिड डे मील वर्करों के लिए एक भी रुपया नहीं बढ़ाया गया है यह बेहद खराब बात है। न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपए हो, वेतन 12 महीने मिले, रिटायरमेंट लाभ 2 लाख रुपए हों, वर्दी भत्ता दो हजार रुपए किया जाए, नौकरी स्थाई हो, इन मांगो को लेकर 20 की हड़ताल ऐतिहासिक होगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सीमा, गीता, मुन्नी, कमलेश, लक्ष्मी, शिमला, कविता, सतपाल सैनी व ओपी माटा मौजूद रहे।

अपोलो स्कूल में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

- मातृ दिवस के अवसर पर माताओं को अवार्ड देकर सम्मानित किया
- हमें सदैव माता-पिता के प्रति समर्पण भाव रखना चाहिए: मिश्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

तरावड़ी। मातृ दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में भाग लेते स्कूल के बच्चें। फोटो : हरिभूमि

अपोलो स्कूल में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में छात्रों ने किए सांस्कृतिक कार्यक्रम अपोलो इंटरनेशनल स्कूल दादूपुर खुर्द में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। बच्चों ने मनभावन रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए ।

कार्यक्रम का प्रारंभ गणेश वंदना के साथ हुआ । बच्चों ने सुंदर मन भावन नाटक प्रस्तुत किया । जिसने सब का मन मोह लिया। मातृ दिवस के अवसर पर माताओं को अवार्ड देकर उन्हें सम्मानित किया गया। इस दौरान श्रीमान राजीव मिश्रा जी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि मां एक ऐसा शब्द है, जिसमें संपूर्ण सृष्टि की ममता, त्याग, प्रेम और बलिदान समाहित है। इसी मातृत्व की महानता को सम्मान देने और मां के प्रति अपने प्रेम और कृतज्ञता को प्रकट करने के लिए हर साल मदर्स डे मनाया जाता है।

यह दिन मां के प्रति हमारे प्रेम, सम्मान और समर्पण को व्यक्त करने का विशेष अवसर है मातृ दिवस के अवसर पर समस्त माताओं के प्रेम, बलिदान एवं त्याग को रेखांकित करते हुए कहा कि आज भी मां दुनिया का सबसे विश्वसनीय शब्द है। हम सभी को सदैव माता-पिता के प्रति समर्पण भाव रखना चाहिए। प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने सभी को मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी ।

मंडलायुक्त ने वाहनों से काली फिल्म हटाने के दिए निर्देश

करनाल। करनाल मंडल के आयुक्त राजीव रतन ने हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) के नियमों को प्रभावी तौर पर लागू करने तथा वाहनों पर काली फिल्म को मिशन मोड पर हटाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने जारी आदेशों में कहा है कि जिला में हाई-सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट को व्यापक रूप से अपनाना और उचित तरीके से लागू करना वाहन सुरक्षा को बढ़ाने, वाहन से संबंधित अपराधों पर अंकुश लगाने और बेहतर यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इससे सुरक्षा बनी रहेगी तथा वाहन से संबंधित बेहतर पहचान होगी। इससे वाहनों से संबंधित अपराधों में कमी आएगी और सुव्यवस्थित यातायात प्रबंधन होगा। उन्होंने कहा कि वाहनों की खिड़कियों पर काली फिल्मों का व्यापक उपयोग महत्वपूर्ण सुरक्षा चिंताएं पैदा करता है और कानून प्रवर्तन प्रयासों में बाधा डालता है। ये फिल्में वाहनों में दृश्यता को बाधित करती हैं, जिससे अवैध गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण बनता है और उस वाहन में बैठने वालों की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। इसलिए काली फिल्मों को हटाना आवश्यक है, क्योंकि स्पष्ट दृश्यता आपराधिक गतिविधियों को रोकने में मदद करती है और वाहनों के भीतर संदिग्ध व्यक्तियों या वस्तुओं की पहचान आसान बनाती है।

- काली फिल्मों का व्यापक उपयोग महत्वपूर्ण सुरक्षा चिंताएं पैदा करता

पिज्जा खाने गए छात्रों पर तानी पिस्तौल पुलिस ने दर्ज किया

करनाल। करनाल में पिज्जा खाने गए छात्रों पर जानलेवा हमला करने की कोशिश की गई। आरोप है कि आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर छात्रों को धमकाया और तीन बार देसी असला से गोली चलाने की कोशिश की। पीड़ित परिवार ने एसपी करनाल को निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दरखास्त दी। अब थाना निसिंग में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

- तीन बार देसी असला से गोली चलाने की कोशिश
- पुलिस जांच से असंतुष्ट परिजन पहुंचे एसपी के पास

निसिंग निवासी हरजिंद्र सिंह ने एसपी को बताया है कि उसके बेटे शुभकर्ण सिंह और नवरूप सिंह 28 अप्रैल दोपहर 2:30 बजे हनगरी विला में अपने दोस्तों के साथ पिज्जा खा रहे थे। तभी शैलप्रीत सिंह उर्फ प्रीत बराड़, अर्षदीप सिंह और गुलाब सिंह वहां आए और ललकारते हुए बोले कि बाहर निकलो, आज देखना है। बच्चों ने डरकर तुरंत अपने परिजनों को फोन किया। जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और मामला समझने के लिए धर्मपाल सिंह के घर स्वर्ण इनक्लेव में बातचीत करने चले गए, धर्मपाल के घर बाहर खड़े परिजनों पर अर्षदीप ने तानी बंदूक जब परिवार के सदस्य धर्मपाल सिंह के घर के बाहर पहुंचे तो कुछ देर बाद शैलप्रीत, अर्षदीप, गुलाब, जानपाल और उनके साथ 3-4 अन्य युवक वहां ललकारते हुए पहुंच गए। उन्होंने बाहर निकलने को कहा। जैसे ही परिजन बाहर निकले, अर्षदीप सिंह ने देसी असला निकालकर तीन बार शुभकर्ण व अन्य बच्चों पर गोली चलाने की कोशिश की, लेकिन गोली नहीं चली। गुलाब सिंह ने भी फायर करने की कोशिश की, लेकिन असला फेल हो गया। गनीमत रही कि असले से गोली नहीं चली, नहीं तो जान जा सकती थी।

घटना के दौरान नवाब सिंह नामक युवक बच्चों को बचाने आया तो एक आरोपी ने उस पर लोहे के कड़े से हमला किया, जिससे उसके सिर पर चोट लगी। इसी बीच आरोपियों ने धर्मपाल सिंह की कार का शीशा भी तोड़ दिया। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित हरजिंद्र सिंह को थाना निसिंग में शिकायत दी थी। लेकिन जांच में ढिलाई देखकर उन्होंने 9 मई पुलिस जांच से असंतुष्ट परिजन पहुंचे एसपी।

दुश्मन पर एयर स्ट्राइक को लेकर सेना को किया सेल्यूट

- भूसली निवासी नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की शहादत ने देश को झकझोर दिया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

पहलगाम आतंकी हमले का जवाब भारत ने हवाई हमले से दिया। पिछले तीन दिनो से भारतीय वायुसेना द्वारा चलाया जा रहा ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को नष्ट किया जा रहा है। शहर के लोग समाजसेवी सेना की बहादुरी और केंद्र सरकार की निर्णायक नीति की तारीफ कर रहे हैं। करनाल के गांव भूसली निवासी नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की शहादत ने देश को झकझोर दिया था।

शादी के बाद पत्नी हिमांशी के साथ पहलगाम घूमने गए विनय को 22 अप्रैल को आतंकियों ने गोली मारकर हत्या की थी। उद्योगपति और समाजसेवी रमेश गुप्ता, साधुराम सिंगला, विजय गोयल, पंकज गोयल, प्रवीण गर्ग, कृष्ण चन्द सिंगला, प्रमोद बंसल, राजकुमार तायल, राकेश गर्ग, प्रदीप गुप्ता ने कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने सिंदूर उजाड़ा था और अब भारत ने उसी का बदला लिया है। उन्होंने इसे सेना की बहादुरी और सरकार की कड़ी नीति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर सटीक कार्रवाई कर आतंक की जड़ों को हिलाया गया। इस ऐतिहासिक कार्रवाई के लिए वीर सेना को कोटि-कोटि बधाई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की साहसिक व राष्ट्रवादी नीति को सलाम। ये है नया भारत आतंक का मुंहतोड़ जवाब। राष्ट्रहित सर्वोपरी। उन्होंने कहा कि भारतीय जल, थल और वायु सेना ने अपने पराक्रम को दिखाया है कि हम पाकिस्तान के अन्दर 100 कि.मी. तक जाकर भी दुश्मनों का सफाया कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपने आपको सुरक्षित महसूस करता है। अगर कोई आतंकवादी संगठन भारत की तरफ टेढ़ी नजर से देखेगा तो उसका खात्मा अवश्य किया जाएगा। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह करके दुनिया को बता दिया है कि भारत अपने खिलाफ किसी भी आतंकी हमले को सहन नहीं करेंगा।

दुष्कर्म मामले में शामिल पांच हजार का इनामी बदमाश दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

- आरोपित चार माह से चल रहा था फरार

एसएजी यूनिट सेक्टर-7 सोनीपत पुलिस टीम ने दुष्कर्म करने की वारदात में शामिल व हरियाणा पुलिस का पांच हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित जोगिंद्र उर्फ जॉनी निवासी भटगांव का है। पुलिस आरोपित को अदालत में पेश करेगी। आरोपित चार माह से फरार चल रहा था।

मिली जानकारी के अनुसार तीन नवंबर 2024 को पुलिस से शिकायत देकर बताया था कि उसकी पहचान जोगिंद्र से हुई। जोगिंद्र ने उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ गलत काम किया। महिला ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। हालांकि बाद में महिला कोर्ट में अपने बयानों से मुकर गई थी। जनवरी माह में महिला ने पुलिस आयुक्त कार्यालय में फिर से आरोपित के खिलाफ पहले दी शिकायत पर कार्यवाही करने व जाति सूचक शब्द कहने सहित दबाव देकर शिकायत वापस लेने का आरोप लगाया।

8 से 17 मई तक 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का किया जा रहा आयोजन

प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स ने सीखा फायरिंग का कौशल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

7 हरियाणा बटालियन एनसीसी, करनाल के तत्वावधान में जवाहर नवोदय विद्यालय, सगा, करनाल में 8 मई से 17 मई तक 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक एनसीसी प्रशिक्षण शिविर 114 कमांडिंग ऑफिसर कर्नल के. के. वेंकटरमन और एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल एस. एस. नेगी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

कमांडिंग ऑफिसर कर्नल के. के. वेंकटरमन ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से कैडेट्स में एकता और अनुशासन की भावना का विकास होता है और उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण में मदद मिलती है। उन्होंने यह भी बताया कि देशभर में लगभग 15 लाख एनसीसी कैडेट्स समाज में जागरूकता फैलाने और सामाजिक गतिविधियों में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आपो दीपो भव के मंत्र के साथ सभी कैडेट्स को अपनी जिम्मेदारी निभाने और समाज के प्रति निष्ठा रखने का संदेश दिया। शिविर की जानकारी देते हुए दयाल सिंह पब्लिक स्कूल (मेन ब्रांच) के एनसीसी सेकंड ऑफिसर डॉ. केवल कृष्ण ने बताया कि कैंप के दूसरे दिन कैडेट्स को फायरिंग के तहत लाइन पोजिशन होल्डिंग और ऐमिंग की तकनीक सिखाई गई। इस दौरान हवलदार रवि ने गर्ल्स कैडेट्स को राइफल के उपयोग, कंपास, सर्विस प्रोटेक्टर और जीपीएस के प्रयोग की विस्तृत जानकारी दी। इसी प्रकार सभी कक्षाओं में बताया कि कंपास का प्रयोग दिशा ज्ञात करने में सहायक है। नेविगेशन में मददगार है। प्राकृतिक आपदाओं में भी मददगार है। कंपास हल्का पोर्टेबल और टिकाऊ होता है। इसे आसानी से कैरी किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, सेकंड ऑफिसर डॉ. केवल कृष्ण सहित सभी एनसीसी ऑफिसर ने कैडेट्स को डिजास्टर मैनेजमेंट के महत्व और उसके विभिन्न पहलुओं के बारे में भी बताया।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर सूबेदार मेजर बलराज सिंह, डिप्टी सुपरिंटेंडेंट पा, फर्स्ट ऑफिसर आर.एस. तोमर, लेफ्टिनेंट अशोक कुमार, सेकंड ऑफिसर डॉक्टर केवल कृष्ण, रविंद्र यादव, हितेश गुप्ता, नीलकंठ, रोहतास कुमार, वीरेंद्र कुमार, गोविंद शर्मा, थर्ड ऑफिसर प्रियंका शर्मा, राहुल कुमार, संजय सिंह, सुदेश, केयरटेकर जय राणा, अनीता रावत, कमल, सुरेश सिंह, सूबेदार रोहतास कुमार, विक्रम सिंह, जसवंत सिंह, नायब सूबेदार राजेंद्र कुमार, सुनील कुमार बम, सत्यवान, हवलदार मनदीप, राकेश, ईश्वर, रवि कृष्ण कुमार, जयदीप, रवि कुमार, दिनेश कुमार, योद्धा सिंह, सुनील कुमार और अमरिंदर सिंह सहित कई अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रह।

खबर संक्षेप

स्मैक तस्करी मामले में सप्लायर गिरफ्तार

पानीपत, 10 मई : एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस टीम ने 11 ग्राम स्मैक तस्करी मामले में आरोपी सप्लायर को शुक्रवार शाम को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान हुसैन निवासी राणा माजरा के रूप में हुई। एंटी नारकोटिक्स सेल इंचार्ज इंस्पेक्टर सुमित सरोहा ने बताया कि उनकी टीम ने 23 जून 2024 को बलजीत नगर नाका पर नाकाबंदी कर राजपुताना बाजार अमर भवन चौक निवासी आरोपी रितिक पुत्र वीरेंद्र को 11 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपी रितिक ने अपनी नशे की पूर्ति करने व शार्टकट तरिके से पैसे कमाने की चाहत में स्मैक राणा माजरा गांव निवासी हुसैन से 15 हजार रूपये में खरीदकर लाने बारे स्वीकारा था। आरोपी के खिलाफ थाना चांदनी बाग में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपी रितिक को न्यायालय में पेश कर जेल भेजने के बाद नशा सप्लायर आरोपी हुसैन को पकडने के प्रयास शुरू कर दिए थे।

पानीपत में ड्रोन उड़ाने पर पूर्णतया प्रतिबंध : डीसी

पानीपत। जिलाधीश डा. वीरेंद्र कुमार दहिया ने जम्मू.कश्मीर के पहलगाम हमले के कारण वर्तमान स्थिति तथा आम जनता की सुरक्षा के पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जिला में मानव रहित हवाई वाहनों यूएवी जैसे ड्रोन और कम उड़ान वाली वस्तुओं आदि के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश जिला में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही अवांछनीय गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से सुरक्षा कारणों के तहत जारी किए हैं। जिलाधीश डा.वीरेंद्र कुमार दहिया ने बताया कि मौजूदा हालात के मद्देनजर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिताए 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला पानीपत के अधिकार क्षेत्र में ड्रोन इत्यादि पर प्रतिबंध लगाया है। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त आदेशों के उल्लंघन का दोषी पाया जाता है, तो वह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत दंड का भागीदार होगा।

पानीपत। गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार भेंट करती रंजीता कौशिक।

गर्भवतियों को पौष्टिक आहार भेंट किया

इसराना। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गांव माण्डी में सरकार की जनकल्याण कारी योजना प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत आयोजित किये गए शिविर में फैला उजियारा फाउंडेशन अध्यक्ष रंजीता कौशिक ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया और गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व देखभाल के लिए हर पौष्टिक आहार भेंट किया और महिलाओं को इस योजना के उद्देश्य में लाभ के बारे में जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को मदर डे की भी बधाई दी। उन्होंने महिलाओं से अनुरोध किया कि वो भारत पाक के मध्य बनी रही इस स्थिति को लेकर मानवता के नाते सरहद पर ड्यूटी दे रहे देश के वीर सपूतों की सलामती को लेकर प्रार्थना करें। शिविर की अध्यक्षता डॉ.दीप्ति मित्तल डेंटल सर्जन ने की। शिविर में एच आई धर्मपाल, सरोज नर्सिंग अधिकारी, भूमिका, रिति, जसवंती, अंजली, एमपीएचडब्ल्यू ज्योति, एडमिन ज्योति, दिलबाग आदि मौजूद रहे।

इस्कॉन के संकीर्तन कार्यक्रम में झूमे भक्त

पानीपत। अंसल में इस्कॉन द्वारा आयोजित संकीर्तन कार्यक्रम में भक्तों ने हरे कृष्ण महामंत्र के मधुर भजनों पर नृत्य और संकीर्तन किया। भक्तों ने भगवान को पुष्प और दीप अर्पित करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उपस्थित लोगों को प्रसाद के पैकेट और धार्मिक पुस्तकें जैसे भगवद गीता और रामायण वितरित की गई। वहीं विशेष आकर्षण हंस के आकार में बने विशेष वाहन रहा। जिस पर श्री कृष्ण भगवान की सुंदर प्रतिमा मौजूद थी। संकीतर्न के माध्यम से लोगों को रविवार को इस्कॉन मंदिर हुडा सेक्टर 24 में होने वाले विशेष कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

करनाल एडीजीपी डॉ.एम रवि किरण पहुंचे पानीपत

एडीजीपी ने मालखाना में रखी प्रॉपर्टी चेक करने के बाद सील की

मालखाने में सुरक्षित रखे गए माल मुकदमें का रजिस्टर चैक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक करनाल मंडल करनाल डॉ.एम.रवि किरण पानीपत पहुंचे। इस दौरान पुलिस लाइन स्थित जुडिशियल मालखाना में रखी एनडीपीएस एक्ट मामलों में बरामद केस प्रॉपर्टी उनके द्वारा चेक करने उपरांत सील की गई। उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सतीश वत्स ने बताया कि पानीपत पुलिस द्वारा 54 मामलों में बरामद किया गया नशा जिसमें चूरा पोस्त, गांजा, हेरोइन, अफी म, चरस व इंजेक्शन शामिल हैं को नष्ट किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। जिसमें करनाल मडंल एडीजीपी डॉ.एम.रवि किरण द्वारा पुलिस लाइन स्थित जुडिशियल मालखाना की जांच की गई है। इस दौरान मालखाने में सुरक्षित रखे गए माल मुकदमें का रजिस्टर में अंकित मद अनुसार मिलान किया गया। जांच प्रक्रिया उपरांत मुख्य मालखाना कक्ष के लॉक को एडीजीपी डॉ.एम.रवि किरण द्वारा सील कर दिया गया। इस अवसर पर डीएसपी सतीश वत्स, डीएसपी राजबीर सिंह, डीएसपी समालखा नरेंद्र कादियान, डीएसपी सुरेश कुमार सैनी, डीएसपी नवीन संधू, एडीजीपी रीडर एसआई सुभाष, एसपी रीडर एएसआई सुभाष, सुरक्षा शाखा इंचार्ज सब इंस्पेक्टर दिनेश, मालखाना इंचार्ज एएसआई जावेद आदि मौजूद रहे।

करनाल। मालखाना के प्रापर्टी की सूची की जांच करते एडीजीपी डॉ.एम रवि किरण। फोटो : हरिभूमि

10पीपीएन6 :पानीपत पहुंचे डॉ.एम रवि किरण सलामी लेते हुए ।

कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए पुलिस : एडीजीपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

एडीजीपी करनाल मंडल डॉ.एम.रवि किरण ने जुडिशियल मालखाना चेक करने उपरांत पुलिस लाइन स्थित ऑफिसर मैस में पुलिस अधिकारियों के साथ मीटिंग की। एडीजीपी डॉ.रवि किरण ने पुलिस अधिकारियों को सतर्क रहने और जिले में शांति एवं कानून.व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। एडीजीपी ने जिले में अपराध की स्थिति की गहन समीक्षा की और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। उन्होंने लंबित मामलों को जल्द निपटाने,अपराध पर सख्ती से अंकुश लगाने और कानून.व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस को सक्रिय रहकर अपराधियों पर लगाम कसनी होगी, ताकि जिले में शांति व्यवस्था बनी रहे। इसके अतिरिक्त उन्होने कहा कि नशा मुक्त अभियान को गति देते हुए आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक करें तथा युवाओं को खेलों के प्रति आकर्षित भी करें। मीटिंग में डीएसपी मुख्यालय सतीश वत्स, डीएसपी राजबीर सिंह, डीएसपी समालखा नरेंद्र कादियान, डीएसपी सुरेश कुमार सैनी, डीएसपी नवीन संधू, एडीजीपी रीडर एसआई सुभाष व एसपी रीडर एएसआई सुभाष मौजूद रहे।

मां का प्रेम संसार में सबसे अनमोल: जगपाल जौरासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

मां आप के स्पर्श में वह जादू है,हालात बुरे हों मगर अमीर बनाकर रखती है।मां की ममता का आंगन जिस प्राणी को मिलता है,भारी बोझ पहाड़ जैसा सब कुछ हल्का हो जाता है।मां का प्रेम संसार में सबसे अनमोल है।उक्त शब्द प्रसिद्ध समाज सेवी जगपाल गाहल्याण जौरासी ने मदर डे के अवसर पर पत्रकार वार्ता के दौरान कहे।जगपाल ने कहा कि मां खुद को भूलकर अपने बच्चे का पालन-पोषण करती है।हर वक्त उसकी सलामती की दुआ करती है।खुद भूखा रहकर उसका पेट भरती है।अपने लिए कुछ न खरीद कर बच्चे की जिद को पूरा करती है।मां जितना प्रेम संसार में हमें कोई नहीं कर सकता है। अपने हर कष्ट को भूलकर वो बच्चे को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करती है।मदर्स डे के खास मौक पर हम सभी को मां के लिए कुछ न कुछ जरूर करना चाहिए।मां की ममता और प्रेम को दिल से धन्यवाद देने के लिए आप मदर्स डे पर कुछ ना कुछ जरूर करें। अंत में जगपाल ने अपनी मां स्व.चन्द्रो देवी को याद करते हुए लिखा,न जाने क्यों आज अपना ही घर मुझे अनजान सा लगता है,तेरे जाने के बाद ये घर,घर नहीं खाली मकान सा लगता है।माँ कौन-सी दुनिया में खो गई है तू ,तुम्हारी बहुत याद आती है।क्या अब मेरी आवाज तुझ तक नही पहुंच पाती है।

300 अनजान शवों के फूलों के लिए पांच बसें हरिद्वार रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

जन सेवा दल द्वारा फूल विसर्जन के लिए पांच बसें भाजपा नेता नवीन भाटिया ने हरि झंडी दे कर रवाना की। नवीन भाटिया ने जनसेवा दल के कार्यों सराहना करते हुए कहा कि जन सेवा दल पानीपत की शान है। वहीं भाजपा नेता विजय सहगल ने कहा कि पानीपत में जनसेवा दल सेवा के कार्य मिसाल हैं। जो कार्य कोई नहीं कर सकता उसके लिए जन सेवादल हमेशा तैयार रहती है। जबकि भाजपा नेता चेतन तनेजा ने कहा जनसेवा दल करोना काल की मिसाल है। दल के सचिव चमन गुलाटी का कहना है कि यह कार्य शहर की सामाजिक संस्था व उद्योगपति के सहयोग से चलती है। जनसेवा दल की पूरी टीम और जितने भी लोग आज हरिद्वार गए हैं सभी मां गंगा के तट पर प्रार्थना करेंगे कि हमारा हिंदुस्तान विजय रहे। रविवार ऋषिकेश में त्रिवेणी घाट पर सुबह 10 बजे हवन यज्ञ होगा 11 बजे फूलों का विसर्जन होगा और 12 बजे भंडारा होगा। इसमें संत अरुण दास जी महाराज,संत लोकेश दास जी महाराज, निरंजन दास जी महाराज, ब्रह्मर्षि जी महाराज, आनंद प्रकाश जी आदि संत इस फूल विसर्जन के लिए आशीर्वाद देने के लिए मां गंगा के तट पर पहुंच रहे हैं।

पानीपत। जन सेवा दल की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते नवीन भाटिया।

आप्रेशन सिंदूर पर गुरुदेव श्री श्री रविशंकर का संदेश

पानीपत। आप्रेशन सिंदूर पर गुरुदेव श्री श्री रविशंकर ने भारत के लोगों को अपने संदेश में कहा कि आतंकवाद मानवता के खिलाफ है और इसे पूरी तरह से समाप्त करना ही होगा। जो लोग संवाद और बातचीत से नहीं समझते, उन्हें उनके दुष्कर्मों की सजा मिलनी ही चाहिए और उनको सबक सिखाना आवश्यक है। अगर आप देवी-देवताओं के चित्रों को भी देखें, तो पाएँगे कि उनके एक हाथ में फूल होता है और दूसरे हाथ में शस्त्र। इस संदर्भ में भारत ने एक बहुत ही विवेकपूर्ण और समझदारी भरा कदम उठाया है। इस समय मैं भारत और विदेशों में रहने वाले सभी भारतीयों से कहना चाहता हूँ जो युद्ध को लेकर बहुत चिंता और तनाव में हैं। घबराएं नहीं। शांत रहें, धैर्य रखें।

एडवान्सिंग वीमेन इन इकोनॉमिक्स पर चार दिवसीय कार्यशाला आयोजित

- 30 छात्राओं को कार्यशाला में सफलतापूर्वक भाग लेने का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

आईबी पीजी कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग की छात्राओं ने ऐडवान्सिंग वीमेन इन इकोनॉमिक्स विषय पर चार दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संघ द्वारा प्रायोजित अर्थशास्त्र में महिलाओं को आगे बढ़ाना विषय पर एक शोध परियोजना का हिस्सा थी। आईजीआरडीआई से डॉ.भारती नंदवानी और दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉ.आकांक्षा अग्रवाल के नेतृत्व में इस शोध परियोजना में प्रथम और अंतिम वर्ष की 30 छात्राओं को कार्यशाला में सफलतापूर्वक भाग लेने का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। संचालन शोध सहायक अन्नू ने किया। प्रिंसिपल डॉ.शशि प्रभा मलिक ने कहा कि इस तरह के इंटरेक्टिव सेशन और वर्कशॉप से छात्रों को अपने विषयों में कैरियर के अवसरों और सफलता पाने के लिए अपनाए जाने वाले रास्तों के बारे में जानने का मौका मिलता है। परियोजना से संबंधित अधिकारियों ने कॉलेज प्रबंधन, प्राचार्या और अर्थशास्त्र विभाग से हिमांशी और प्रो.सुखजिंदर को धन्यवाद दिया।

पानीपत। आईबी कालेज में आयोजित कार्यशाला में मौजूद विद्यार्थी ।

पानीपत। विधायक मनमोहन भड़ाना को ज्ञापन सौंपते पहुंची मिड डे मिल वर्कर्स।

मिड डे मिल वर्कर्स ने एमएलए प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

- विधायक के प्रतिनिधि ने आश्वासन दिया कि मिड डे मील कर्मियों की इन समस्याओं सरकार के सम्मुख रखेंगे

मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा के प्रतिनिधि मण्डल ने समालखा विधायक मनमोहन भड़ाना को मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमण्डल में एआईयूटीयूसी के राज्य उपाध्यक्ष का.ईश्वर सिंह राठी, मा.बलबीर सिंह, शेर सिंह, सेवानंद, यूनियन की महासचिव कुसुम पांचाल, निशा व पिंकी शामिल थे। विधायक के प्रतिनिधि ने आश्वासन दिया कि मिड डे मील कर्मियों की इन समस्याओं व मांगों के बारे में हम सरकार को लिखेंगे और इन्हें लागू करवाने में पूरा प्रयास किया जाएगा। जो भी समस्याए है उनको प्रमुखता से उठाया जाएगा।

तीन महीने के राशन के साथ किराया भी दे सरकार

पानीपत। हरियाणा सरकार राशन डिपो पर तीन महीने का राशन एक ही बार में देने के बारे में सोच रही है। जबकि राशन वितरण अलग-अलग महीने में करना पड़ेगा ऐसा बताया जा रहा है। जिसकी सूचना मिलने पर जिला डिपो होल्डर एसोसिएशन के जिला प्रधान कन्हैया सिवाह ने सरकार के इस निर्णय का विरोध करते हुए कहा कि इससे केवल राशन डिपो होल्डर को बल्कि राशन उपभोक्ताओं को भी नुकसान होगा। कन्हैया ने बताया कि पूरे जिला में किसी भी डिपो धारक के पास इतनी जगह नहीं है कि वह तीन महीना का राशन स्टोर कर सके। प्रधान कन्हैया ने कहा कि अगर सरकार डिपो धारकों को तीन महीने का राशन देना चाहती है तो उसको रखने के स्थान के लिए लिए जाने वाली जगह का किराया सरकार को देना होगा।

पतंजलि योग समिति का संकल्प घर-घर पहुंचे योग : अशोक

- देवी मंदिर में चल रहे योग विज्ञान एवं साधना शिविर में साधकों को योग क्रियाओं का विस्तारपूर्वक महत्व बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

देवी मंदिर में चल रहे योग विज्ञान एवं साधना शिविर के आज दूसरे दिन के सत्र में खानपान,जड़ी बूटियों , प्राकृतिक चिकित्सा से उपचार, आहार चिकित्सा और योग और प्राणायाम के माध्यम से सबको नियमित योग करने के लिए उत्साह वर्धन किया गया। वहीं कुछ नए व्यक्ति भी आज के शिविर में जुड़े। पतंजलि योग समिति का हमेशा यही प्रयास रहता है और इसके शिक्षक शिक्षिकाओं ने संकल्प लिया हुआ है कि हम घर-घर योग पहुंचाएंगे। समिति के जिला प्रभारी अशोक अरोड़ा ने बताया कि 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले विभिन्न स्थानों पार्कों में योग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। आज दूसरे दिन के सत्र में खानपान,जड़ी बूटियों , प्राकृतिक चिकित्सा से उपचार, आहार चिकित्सा और योग और प्राणायाम के माध्यम से सबको नियमित योग करने के लिए उत्साह वर्धन किया गया।जबकि एक विशाल सहयोग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें नए-नए योग शिक्षक तैयार किए जाएंगे जो आगे ट्रेनिंग लेकर नई कक्षाओं को चलाएंगे।

पानीपत। देवी मंदिर की योग कक्षा में मौजूद योग साधक। फोटो : हरिभूमि

वर्किंग वूमन और लेबर हॉस्टल समेत बनेंगे चार प्रोजेक्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

औद्योगिक नगरी में वर्किंग वूमन होस्टल और लेबर हॉस्टल बनाए जाएंगे। इनके साथ ओल्ड एज होम और लडक़ों व लड़कियों का अनाथालय बनाया जाएगा। नगर निगम ने पुराने कोर्ट भवन में इनको प्रस्तावित किया है। इनको लेकर दो प्रस्ताव बनाकर निदेशालय में भेजा गया है। इन प्रोजेक्ट का करीब 98 करोड़ रुपये का एक प्रस्ताव बनाकर शहरी स्थानीय निकाय के निदेशक को भेजा है। वहीं दूसरा प्रस्ताव पुराना कोर्ट की जमीन लेने को लेकर एचएसआईआईडीसी को पत्र लिखा है। पानीपत में करीब 25 हजार छोटे और बड़े उद्योग हैं। यहां लेबर हॉस्टल और वर्किंग वूमन हॉस्टल की जरूरत है। वर्किंग वूमन हॉस्टल पानीपत में दूसरे शहर व प्रदेश से आने वाली महिलाओं के लिए होगा। वे यहां अपनी नौकरी करने के बाद आसानी से रह सकेंगी। अब तक उनको पीजी या फिर बाहर कमरा किराये पर लेकर रहना पड़ता है। शहरी विधायक प्रमोद विज ने अपने पहले प्लान में मुख्यमंत्री के सामने रखी थी। मुख्यमंत्री ने इसकी घोषणा की थी। नगर निगम ने इनको लेकर प्रस्ताव बनाया। ओल्ड एज होम और अनाथालय भी होगा। वहीं पश्चिमी सभ्यता के लगातार हावी होने पर ओल्ड एज होम समय की जरूरत बन गई है। नगर निगम द्वारा सनौली रोड स्थित पुरानी सब्जी मंडी में ओल्ड एज होम बनाया गया है। नगर निगम ने नए ओल्ड एज होम में आधुनिक सुविधाओं को शामिल किया गया है।

पानीपत। युवक पर हमला करने के आरोपियों के साथ पुलिस टीम ।

युवक को गंभीर चोट मारने के तीन आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

थाना किला पुलिस टीम ने कुटानी रोड पर युवक का रास्ता रोककर रॉड व डंडों से गंभीर चोट मारने के तीन आरोपियों को शुक्रवार शाम को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान आशिष निवासी डॉबर कॉलोनी, नितिन निवासी बनेहरा खास सहारनपुर यूपी हाल जगदीश नगर व मोनी निवासी लड्डावाला मुजफ्फरनगर यूपी हाल जगदीश नगर के रूप में हुई है। थाना किला प्रभारी सब इंस्पेक्टर श्रीनिवास ने बताया कि पूछताछ में तीनों आरोपियों ने चोट मारने की उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त एक लोहे की पाइप बरामद कर शनिवार को पूछताछ के बाद तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

नारायणा रेलवे अंडरपास का निर्माण शुरू

छह करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार होगा अंडरपास, क्षेत्र के लोगों को होगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

समालखा के नारायणा रेलवे फाटक के अंडरपास का निर्माण कार्य आज से शुरू हो गया है। जो छह करोड़ रुपये की लागत से बनेगा। जिसके चलते रोजाना विभिन्न गांवों व बस्तियों, वार्डो को जाने वाले हजारों वाहनों व राहगीरों को नगर के मुख्य बाजारों सहित अन्य रास्तों से निकाला जाएगा। रेलवे विभाग ने इसको लेकर अपनी तैयारी पूरी कर ली है। बता दें कि दिल्ली-अम्बाला रेलवे ट्रेक सबसे अधिक व्यस्त रहता है। रोजाना सौ से अधिक ट्रेनों का ट्रेक पर आवागमन होता है। कई बार तो चार से कई गाडियां एक साथ गुजरती हैं। जिसके कारण नारायणा रेलवे फाटक लंबे समय तक बंद रहता है। फाटक के दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइन लग जाती है। नारायणा रोड रेलवे फाटक पर अंडरपास बनने से हजारों लोगों को इसका लाभ होगा और जाम की समस्या से लोगों को निजात मिलेगी। वहीं अंडरपास के बीच में डिवाइडर बनाए जाएंगे। जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

पानीपत। अंडरपास के निर्माण कराए जाने का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

लूट के मामले में आरोपी गिरफ्तार, रिमांड पर भेजा

अंबाला। थाना मुलाना में दर्ज लूट के मामले में सीआईए-शहजादपुर ने आरोपी फतेह सिंह को गिरफ्तार किया है। उसे अब एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। मामले में अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। परवादी शहनबाज ने 3 अप्रैल 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि राजू ढाबा हमीदपुर के पास आरोपियों ने जान से मारने का भय दिखाकर उससे एक बड़ी रकम लूट ली थी। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

धोखाधड़ी के दो अन्य आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में आर्थिक अपराध शाखा ने आरोपी रिंकू कुमार उर्फ जॉनी व जगन्नाथ को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। बब्याल के बालक राम ने 4 जनवरी 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी सोनू कुमार तथा अन्य ने उसके पुत्र को सरकारी नौकरी लगवाने के मामले में उससे एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधड़ी करने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की जिम्मेदारी आर्थिक अपराध शाखा को दी थी।

शहीदों को दो मिनट का मौन रख दी श्रद्धांजलि

नरवाना। नरवाना वैलफेयर मंच के संयोजक सरदार हरचरण सिंह ने मंच द्वारा लड़कियों के लिए बनाई फ्री लाईब्रेरी में दो मिनट का मौन रख कर शहीदों को श्रद्धांजलि दीए और अपने सम्बोधन में लोगों से अपील भी की सरकार द्वारा जारी किए गए नियमों का पालन करें देश के सीमा प्रहरी का तथा सरकार का यथायोग्य सहयोग करें जिससे देश की आन बान बनी रहे।देश के जवान उनकी जान की परवाह किए बिना देश की सीमाओं पर डटे हैं ।

ड्रग कंट्रोल विभाग ने किया मेडिकल स्टोर को सील

जींद। ड्रग कंट्रोल विभाग की टीम ने नरवाना में मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की। इस दौरान टीम ने एक मेडिकल स्टोर को सील कर दिया। इस कार्रवाई में पुलिस बल भी मौजूद रहा। दुकान से पिछले साल जून में दवाइयों का सैंपल लिया गया था जो जांच में फेल पाया है। ड्रग्स कंट्रोल ऑफिसर जींद गीता गोयल और करनाल से डीसीओ विकास राठी अपनी टीम एवं पुलिसबल के साथ नरवाना में धौला कुआं के पास स्थित अंकित मेडिकोज पर रेड की थी।

खेतों से ट्रांसफार्मर बिजली मोटर चोरी

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों से चोरों ने बिजली मोटर तथा ट्रांसफार्मर को चोरी कर लिया। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव लुदाना निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने उसके खते से दस एचपी की बिजली मोटर को चोरी कर लिया।

गेहूं का त्वरित उठान सुनिश्चित किया जाए

जींद। रबी सीजन के अंतर्गत जिले में गेहूं की खरीद एवं उठान प्रक्रिया सुचारू रूप से प्रगति पर है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि मंडियों में खरीदे गए गेहूं का त्वरित उठान सुनिश्चित किया जाए ताकिफसल की सुरक्षा हो सके।

पीने के पानी व दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने के आदेश

हर आपदा से निपटने के लिए प्रशासन मुस्तैद खाद्य वस्तुओं की कालाबाजारी पर रखें नजर

11 को सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग के लिए होगा रजिस्ट्रेशन, हर गांव व शहर में कमेटियों का हुआ गठन, पूर्व सैनिकों को भी तैयार रहने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश देते डीसी अजय सिंह तोमर।

भारत-पाक में बेशक युद्ध के मोर्चे पर सीजफायर हो गया है। फिर भी डीसी अजय सिंह तोमर आपदा से निपटने के लिए की जा रही तैयारियों की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। उधर शनिवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी वीसी के जरिए सभी प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। डीसी ने अधिकारियों को कहा कि भारत-पाकिस्तान सीमा पर जो हालात चल रहे हैं उससे सभी वाकिफ हैं। अंबाला बेहद संवेदनशील क्षेत्र है। वर्तमान परिस्थितियों में किसी भी आपदा के आने से इंकार नहीं किया जा सकता। प्रशासन द्वारा वायुसेना, आर्मी, पुलिस, एसडीआरएफ द्वारा बेहतर समन्वय के साथ मॉक ड्रिल भी करवाई गई है। इससे कि समय रहते यह टीमें रिस्पोंस करें। आपदा में घायल लोगों की सहायता की जा सके। उन्होंने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से जिले में ड्रोन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया हुआ है। अगर कोई भी नियमों की अवहेलना करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित रखें। किसी भी क्षेत्र में पेयजल की कमी न होने दें। इसके लिए जो भी व्यवस्थाएं जैसे जनरेटर इत्यादि एवं अन्य प्रबंध करने वह समय रहते कर लें। उन्होंने कहा कि पानी के सैंपल समय-समय पर चेक करें। इसके अलावा कोई आपदा आती है तो उसके तहत जन स्वास्थ्य विभाग टैंकरों की व्यवस्था भी रखें। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे भी एंबुलेंस की व्यवस्था के साथ-साथ दवाइयों की उपलब्धता रखें। डीएफएससी को निर्देश दिए खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करें। किसी भी खाद्य वस्तुओं की कालाबाजारी न की जाए। सरकार द्वारा जारी की गई हिदायतों के अनुसार स्टॉक को प्रत्येक सप्ताह पोर्टल पर डिस्कलोसर करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी एनसीसी, एनएसएस व स्काउटस की ट्रेनिंग करवाना सुनिश्चित करें ताकि जरूरत पर वैलंटियर की उसका सहयोग लिया जा सके।

सिविल डिफेंस का आयोजित होगा कैंप

उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने कहा कि भारत-पाकिस्तान सीमा पर बने तनाव को लेकर अब अंबाला शहर व अंबाला छावनी में सिविल डिफेंस द्वारा व्यापक प्रबंध एवं तैयारियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि सिविल डिफेंस द्वारा 11 मई को प्रातः 10 बजे अंबाला छावनी के एसडी कॉलेज में और अंबाला शहर की नई अनाज मंडी में दोपहर 3 बजे ट्रेनिंग कैंप कम रजिस्ट्रेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा।इसमें 18 वर्ष आयु वर्ग या उससे अधिक आयु का युवा इसमें भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस ट्रेनिंग कैंप में अधिक से अधिक युवा भाग लें। उन्होंने यह भी बताया कि इस ट्रेनिंग में अग्नि घटना से बचाव , फर्स्ट ऐड एवं किसी भी आपदा में आप अपने-आप को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं इसकी ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके साथ-साथ उन्होंने यह भी बताया कि अंबाला शहर, अंबाला छावनी, बराड़ा व नारायणगढ़ में भी वार्ड वाईज कमेटियां बनाई गई हैं। गांवों में भी कमेटी बनाई जा रही हैं।

पर्याप्त मात्रा में रखें खाद्य पदार्थ : डीजी

- ओवर चार्जिंग करने वाले के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की जाएगी

अंबाला। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के महानिदेशक ने सभी खाद्य वस्तुओं के होलसेलर,रिलेटर व ट्रेडर्स को निर्देश दिए कि वे देश में वर्तमान विशेष परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करें। किसी भी खाद्य वस्तुओं की कालाबाजारी न की जाए। यदि कोई भी होलसेलर, रिलेटर या फिर ट्रेडर्स खाद्य वस्तुओं की कालाबाजारी तथा उपभोक्ताओं से खाद्य वस्तुओं के मूल्य की ओवर चार्जिंग करता पाया जाता है तो उसके विरूद्ध ठोस कार्रवाई की जाएगी। सरकार द्वारा निर्धारित स्टॉक लिमिट अनुसार जिले के सभी गेहूं, चीनी तथा दाल होलसेलर,ट्रेडर्स व रिटेलर भंडारण करेंगे। सरकार द्वारा जारी की गई हिदायतानुसार उक्त स्टॉक को प्रत्येक सप्ताह पोर्टल पर डिस्कलोसर करेंगे। मार्केट में आम जन हेतू खाद्य वस्तुओं, गैस सिलेंडर, पेट्रोल, डीजल की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है। भविष्य में भी आमजन को उक्त बारे कोई परेशानी नही होगी। प्रशासन ने खाद्य वस्तुओं की ओवरचार्जिंग करने पर 01712530100 पर शिकायत दर्ज करवाने की बात कही है।

ये रहे मौजूद

इस दौरान पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत, नगर निगम कमिश्नर बलप्रीत सिंह, एडीसी डॉ. ब्रह्मजीत सिंह, एसडीएम दर्शन कुमार, एसडीएम विनेश कुमार, एसडीएम अमित भारद्वाज, नगराधीश अभिषेक गर्ग, अधीक्षक अभियंता वीके गोयल, अधीक्षक अभियंता मनीष कुमार, अधीक्षक अभियंता हरपाल सिंह, डीडीपीओ दिनेश शर्मा, सिविल सर्जन डॉ. राकेश सहल, जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार, सुखबीर सिंह, कार्यकारी अभियंता कृष्ण भुक्कल, संदीप कुमार, रितेश अग्रवाल भी मौजूद रहे।

योग से साधकों ने भारतीय सैनिकों को किया सलाम

■ शुभम औ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

योग कर सैनिकों को सलाम करते साधक। फोटो : हरिभूमि

भारतीय सेना द्वारा किए गए "सिंदूर ऑपरेशन" में वीर जवानों के साहस और शौर्य ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। भारतीय योग संस्थान के साधकों ने सहायक केंद्र प्रमुख पंडित रमा शंकर के नेतृत्व में योग एवं प्राणायाम किया। इस अवसर पर भारतीय सेना के अदम्य पराक्रम की सराहना करते हुए उन्हें सेल्यूट किया गया पंडित रमाशंकर ने वीर सैनिकों की कुशलता और सफलता के लिए विशेष प्रार्थना का आयोजन कर सभी को सेना के लिए एकजुट होकर प्रार्थना करने का संदेश दिया। योग साधक रीटा ने कहा, "भारतीय सेना के पराक्रम के कारण ही हम सभी भारतवासी अपने घरों में सुरक्षित हैं। हमें अपनी सेना पर गर्व है और हम उनके ऋणी हैं। संस्थान के ज़ोन प्रधान संजय धीमान ने कहा कि "भारतीय सेना का साहस, अनुशासन और समर्पण पूरे देश के लिए प्रेरणा स्रोत है। हम सब भारतवासियों को गर्व है कि हमारे पास इतनी मजबूत और सशक्त सेना है।" योग साधक अजीत त्यागी ने कहा कि "भारतीय सेना ने हर बार देश की सीमाओं की रक्षा में अपना सर्वोच्च योगदान दिया है, जो अत्यंत प्रशंसनीय है। विनोद ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि "सेना की वजह से ही राष्ट्र में शांति और स्थिरता बनी रहती है, और हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे सैनिक देश की सीमाओं की रक्षा करने में अपना जीवन भी बलिदान कर देते है। रामनाथ धीमान ने कहा कि "हमारे जवान हर परिस्थिति में देशहित में कार्य कर रहे हैं, और हमें उनका समर्थन करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।"

कांग्रेस नेता बोले व्यापारियों को आ रही फिरौती की धमकियां

कस्बे में अपराधियों का बढ़ा खौफ सीएम से एमएलए ने की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

सीएम नायब सैनी से मुलाक़ात करते विधायक शैली चौधरी व राम किशन गुज्जर।

विधानसभा में बढ़ते अपराध को लेकर शनिवार को विधायक शैली चौधरी व कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष राम किशन गुज्जर ने सीएम नायब सैनी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सीएम से कस्बे में बढ़ते अपराध, फिरौती के लिए आ रोज आ रहीं धमकियों की वजह से खौफ के माहौल को खत्म करने के लिए जरुरी कदम उठाए जाने का आग्रह किया है। इस सिलसिले में विधायक की ओर से एक ज्ञापन भी सीएम को सौंपा गया। कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष राम किशन गुज्जर ने मुख्यमंत्री को क्षेत्र मे पिछले कई महीनों से क्राइम की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्हें इस ओर ध्यान देने व इन पर अंकुश लगवाने का आग्रह किया राम किशन ने कहा कि हरबिलास हत्याकांड के बाद भी क्षेत्र में लोगों को फिरौती की धमकियां मिल रहीं हैं। लोगों में खौफ पैदा करने किया जा रहा है।

भारतीय सेना ने पाकिस्तान को दिया मुंहतोड़ जवाब : जवाहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र.

आप पार्टी लीगल सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष जवाहरलाल गोयल ने कहा है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। भारत की सेना विश्व की सबसे सर्वोच्च सेना है। देश के लोगों को अपनी सेना पर गर्व है। सेना के भरोसे ही देश के लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने पूरे देश को गौरव से भर दिया है। उन्होंने भारतीय सेना, वायुसेना और सभी सुरक्षा बलों को इस निर्णायक कार्रवाई के लिए हार्दिक बधाई और सलूट किया। गोयल ने कहा कि यह ऑपरेशन न केवल सैन्य दक्षता का प्रमाण है, बल्कि यह संदेश भी है कि भारत अब आतंकवाद को उसकी जड़ों से उखाड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। जवाहरलाल गोयल ने कहा कि समय आ गया है कि आतंक की फैक्ट्री को जड़ से खत्म किया जाए। पीओके भारत का अभिन्न हिस्सा है और अब उसे वापस लेने का निर्णायक क्षण आ गया है। न रहेगा पीओके न बचेंगे आतंकी कैंप। ऑपरेशन सिंदूर यह सिद्ध करता है कि भारतीय सेना के हौसले बुलंद हैं और राजनीतिक इच्छाशक्ति अगर दृढ़ हो, तो कोई भी दुश्मन भारत की अखंडता को चुनौती नहीं दे सकता।

मौजगढ़ से शुरू हुआ तालाबों और नालों की सफाई का काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

तालाब के पानी को निकालने के कार्य का शुभारंभ करते हुए रजत मलिक।

बरसात के मौसम से पहले जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर पालिका ने कमर कस ली है। इस क्रम में गांव मौजगढ़ (वार्ड नंबर 1) से तालाबों और नालों की सफाई अभियान की शुरुआत की गई। नगर पालिका अध्यक्ष रजत मलिक ने स्वयं मौके पर पहुंचकर पानी निकासी कार्य का उद्घाटन किया। मलिक ने कहा कि हर वर्ष बरसात के दौरान तालाबों और नालों के ओवरफ्लो से गलियों और सड़कों पर पानी भर जाता है, जिससे नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

इस बार पहले से तैयारी करते हुए सफाई कार्य समय रहते शुरू करवा दिया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक वार्ड में समयबद्ध ढंग से तालाबों और नालों की सफाई का कार्य किया जाएगा ताकि पानी निकासी में कोई रुकावट न आए। जब तक सफाई कार्यों के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक सभी वार्डों में सफाई कर्मचारियों को यह कार्य सौंपा गया है। उद्घाटन कार्यक्रम में नपा सदस्य पवन कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे।

नालों में कूड़ा न डालें

नगर पालिका की यह योजना यदि सुचारु रूप से लागू होती है, तो आने वाले दिनों में बराड़ा शहर को जलभराव जैसी गंभीर समस्या से बड़ी राहत मिल सकती है। नपा अध्यक्ष रजत मलिक ने कहा कि घरों और दुकानों से निकलने वाले कचरे जैसे प्लास्टिक की थैलियां, प्लास्टिक की खाली बोतलें आदि सामान नालों के बंद होने का कारण बनता है। इसलिए सभी से अपील है कि इस प्रकार का सामान नालों में न डाले इससे पानी निकासी अवरुद्ध हो जाती है और बरसात के दिनों में अधिक पानी होने से निलकने की जगह नही मिल पाती जिससे पानी गलियों में जमा हो जाता है।

निरंतर चलेगा नालियों की सफाई का कार्य

अंबाला। नगर निगम के कमिश्नर डॉ. बलप्रीत सिंह ने शनिवार को निगम कार्यालय में सभी अधिकारियों के साथ मीटिंग की। इस मीटिंग का मुख्य उद्देश्य नगर निगम सफाई व्यवस्था को मजबूत करना था। उन्होंने कहा कि बरसाती सीजन को देखते हुए शहर के सभी बड़े व छोटे नालों की सफाई निरंतर जारी रखी जाए। नगर निगम की सफाई शाखा द्वारा सभी शहर के छोटे नालों की सफाई जेसीबी मशीन से करवाई जा रही है कमिश्नर ने यह भी बताया गया की बरसाती सीजन के कारण शहर के ज्यादातर नालों की सफाई का कार्य निरंतरता से चल रहा है।

विश्व शांति की भावना से की पक्षीराज शरभ की पूजा

पिहोवा। भगवान शिव के छठे अंशावतार आकाशभैरव पक्षीराज शरभ का 3 दिवसीय प्रकटोत्सव समारोह 8 मई से 11 मई तक माडल टाउन में स्थित श्री दक्षिणा काली पीठ में स्थापित अनूठे एवं दिव्य पक्षीराज मन्दिर में मनाया जाएगा। महामण्डलेश्वर स्वामी विद्यागिरि जी महाराज की अध्यक्षता एवं श्रीमहन्त बंसी पुरी जी महाराज के सान्निध्य में विश्व शान्ति एवं जनकल्याण की भावना से विशेष जप एवं अनुष्ठान द्वारा प्रतिदिन आकाशभैरव पक्षीराज शरभ की पूजा एवं यज्ञ किया जा रहा है। धर्म की रक्षा एवं संरक्षण, एवं सृष्टि के पालन-पोषण, आकाश भैरव पक्षीराज शरभ वेदों-पुराणों में वर्णन है कि जब भी संसार पर किसी प्रकार का संकट आता है तो सृष्टि के पालनहार भगवान विष्णु और संहारकर्ता के रूप में भगवान शिव समय-समय पर अनेक रूपों में अवतरित हुए हैं, ताकि संसार की रक्षा की जा सके। इसी क्रम में भगवान विष्णु ने अपने प्रिय भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए नृसिंह का अवतार धारण किया। राक्षसराज हिरण्यकशिपु की राजसभा में खम्भे को फाडकर प्रकट हुए और उसका वध कर दिया।

कुरुक्षेत्र। जानकारी देते महंत बंसी पुरी महाराज एवं खटवांग पुरी महाराज।

कमिश्नर ने दिए जांच के आदेश

स्कूल की 6600 वर्ग गज जमीन की जांच शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

- प्रॉपर्टी आईडी से छेड़छाड़ होने का दावा, मेयर ने शिकायत मिलने के बाद दिए थे जांच के आदेश

अंबाला शहर के श्री आत्मानंद (एसए) जैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की परशुराम नगर स्थित 6600 गज जमीन के मामले में नगर निगम ने जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि इस मामले में प्रॉपर्टी आईडी से छेड़छाड़ की गई है। नगर निगम की मेयर शैलजा सचदेवा ने शिकायत मिलने के बाद नगर निगम के कमिश्नर से कहा कि इस मामले की जांच निष्पक्ष तरीके से की जाए। इसलिए टीम फिर से नगर निगम के रिकॉर्ड चेक करने में जुट गई है। उधर श्री जैन श्वेतांबर जैन मूर्ति पूजक संघ के पत्र से साफ हो गया है कि इस स्कूल की 6600 गज जमीन को बेचे जाने के बारे में अभी तक श्री संघ को लिखित में सूचित नहीं किया गया है। हालांकि एसए जैन स्कूल के प्रधान हितेष जैन ने दावा कर रहे हैं कि इस मामले में संविधान के तहत कार्रवाई की जाए। बता दें कि एसए जैन सीनियर सैकेंडरी स्कूल की जमीन पिछले कई सालों से खाली पड़ी थी। जिसमें करीब 19 प्लॉट अलग-अलग करके खरीदे गए थे। जिनकी रजिस्ट्रियां भी अलग-अलग हैं। इसकी बोली में भी पारदर्शिता नहीं बरती गई। प्रबंधक कमेटी में पांच सदस्य हैं लेकिन बोली में 8 लोगों के हस्ताक्षर किए गए हैं। कमेटी की तरफ से नियम के तहत जमीन बेचने से संबंधित न ही कोई नोटिस चस्पा किया गया और समाचार पत्रों में विज्ञापन दिया गया। 16 हजार 800 रुपए प्रति वर्ग गज के हिसाब से इस जमीन का सौदा चुपचाप कर दिया गया। नगर निगम कार्यालय में इस जमीन को लेकर रिकॉर्ड चेक किया गया तो उनमें छेड़छाड़ किए जाने की बात सामने आई।

सप्ताह में एक दिन जरूर मनाएं ड्राई-डे

जींद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दरियावाला के अंतर्गत जलालपुर कलां गांव में एमपीएचडब्ल्यू पवन श्योकंद, जयवीर, सुशील शर्मा, पवन कुमार व रामदयाल ने रैपिड फीवर मास सर्वे किया। स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने रैपिड फीवर मास सर्वे के दौरान बुखार पीड़ित की रक्त पट्टिका बनाई गई और घरों के टंकी, कूलर, होदी, ड्राम, फ्रिज के पीछे लगी वेस्ट ट्रे, छतों पर पड़े कबाड़ आदि में लार्वा की जांच की व मलेरिया से बचाव बारे पंपलेट भी बांटे गए। पवन सिंह ने बताया सर्वे के दौरान नुक्कड़ सभाएं कर आम जनता को स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य कर्मी ने बताया कि मलेरिया बुखार संक्रमित मादा एनाफलिज मच्छर के काटने से होता है जोकि पानी में जीवनचक्र पूरा करता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

दवाओं का स्ट्रॉक फुल, 4 हजार बेड की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

युद्ध विराम से पहले स्वास्थ्य विभाग ने किए पर्याप्त प्रबंध

अंबाला। कैंट रेलवे स्टेशन का बाहरी दृश्य।

भारत-पाक के बीच युद्ध की संभावनाओं को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी जरुरी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से दवाओं के स्टॉक और रिजर्व बेड जैसी बुनियादी सुविधाओं के प्रबंध किए गए हैं। सीएमओ डॉ. राकेश सहल ने बताया कि प्रशासन के आदेश पर अब अंबाला का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। सभी कर्मचारियों की छुट्टी निरस्त कर दी गई है। अस्पताल में 24 घंटे पर्याप्त स्टाफ तैनात रहेगा। सरकारी और निजी अस्पतालों में 1000 बैड रिजर्व रखे गए हैं। अंबाला में कुल 4033 बैड हैं। जिनमें 712 बेड सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध हैं, तो वहीं निजी अस्पतालों में कुल 3321 बेड उपलब्ध हैं। जिसमें किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सकेगा। आवश्यकता पड़ेगी तो इनमें बैड की संख्या बढ़ाई जाएगी। लगभग 2 माह के लिए आवश्यक दवाओं का स्टॉक है। इसके साथ ही निजी मेडिकल स्टोर्स पर भी सभी प्रकार की जरूरी दवाओं का स्टॉक मौजूद हैं।

घबराएं नहीं, स्थिति सामान्य

अंबाला छावनी में अंबाला घरेलू हवाई अड्डे के पास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अंबाला हवाई अड्डे सहित देश भर के 32 हवाई अड्डों को 10 मई से 15 मई तक बंद रखने की अवधि बढ़ा दी है। इसके साथ ही अंबाला के एयरफोर्स स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। जिला प्रशासन और सैन्य अधिकारियों ने हॉटलाइन के जरिए लगातार संपर्क बनाए रखा है, ताकि किसी भी स्थिति से निपटा जा सके। हालांकि, प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अभी तक कोई विशेष अलर्ट जारी नहीं किया गया है और स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

छात्राएं अपनी सेहत के प्रति जागरूक रहें: डा. अरुण

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

माता चन्नन देवी आर्य कन्या गुरूकुल पिल्लूखेड़ा में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एसएमओ डा. अरूण के नेतृत्व में चिकित्सक टीम ने 450 छात्राओं के वजन, ऊंचाई, खून व स्वास्थ्य की जांच की। टीम में शामिल सीएचओ रेणू, सोनिया, एलटी रेखा, एमपीएचडब्ल्यू विनोद, सुशीला, सोमवती, देवेंद्र व शकुंतला ने भी स्वास्थ्य जांच में सहयोग किया। टीम ने स्वास्थ्य जांच के दौरान छात्राओं को साफ-सफाई व हाइजिन जैसी अनेक स्वास्थ्य संबंधि जानकारियां दी। गुरूकुल प्राचार्या ज्योति बताया कि स्कूल की 450 छात्राओं की चिकित्सकों द्वारा जांच की गई। जांच के दौरान जिन भी छात्राओं में खून की कमी पाई गई, उन्हें दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई तथा बच्चों को पोषित भोजन लेने के बारे में अवगत कराया गया। एसएमओ डा. अरूण ने छात्राओं को संदेश दिया कि स्वस्थ मस्तिष्क के लिए शरीर का स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। इसके लिए स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। छात्राएं सेहत के प्रति जागरूक रहें।

मातृ दिवस विशेष

मां के चरणों में बसती है मेरी दुनिया

इस दुनिया के हर रिश्ते में सबसे बड़ा दर्जा मां को दिया जाता है। मां और उसकी संतान का रिश्ता सबसे गहन और अनूठा होता है। हर हाल में अपनी संतान का सुख, उसका हित और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की छवि की उदात्तता असीम होती है। आज मातृ दिवस पर हम संकल्प करें कि मां को कभी कोई तकलीफ न हो, उसका साया, उसका आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहे। यही इस दिवस की सार्थकता होगी।

आवरण कथा
डॉ. ओम निश्चल

जब कभी गीतकार प्रसून जोशी के लिखे और शंकर महादेवन के गाए मां को समर्पित गीत '...तुझे सब है पता, मेरी मां..' के बोल सुनाई पड़ते हैं तो हृदय भावनाओं से भर उठता है। जेहन में मां की तस्वीर उभर आती है। बच्चे का यह कहना, 'यूं तो मैं दिखलाता नहीं, तेरी परवाह करता हूं मैं मां...' सुन कर मन की आंखों को जैसे एक अजीब सी तृप्ति मिलती है। मां का संबंध ही कुछ ऐसा है। यह ऐसी शै है कि सारे वृक्षों से कागज तैयार किया जाए तो भी उस पर लिखी मां की महिमा कम पड़ जाएगी। जाने-माने कवि कैलाश वाजपेयी ने लिखा है, *अगर तुम्हें गर्भ में यह पता चलता/ जिस घर में तुम होने वाले हो, नमाज नहीं पढ़ता, वहां कोई यज्ञ होम कीर्तन नहीं होता/ कोई नहीं जाता रविवार को गिरिजाघर या ग्रंथपाठ में/ अगर तुम्हें यह पता चलता पेट के निदाघ और पर्व के हिसाब से अधेड़ बाप कभी बनाता है रंगीन कागज के ताजिए/ ईसा का तारा, कभी दुर्गा गणेश कभी अंधी ऊंचाई को थाहते सिर्फ आकाशदीप/ नीले हरे जोगिया/ अगर तुम्हें यह पता चलता/ तब तुम क्या करते/ क्या मां बदलते। (सूफीनामा)* कितने दार्शनिक अंदाज में कवि ने कह दिया कि मां से बच्चे का रिश्ता कितना अटूट है कि वह किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता।

मां की महिमा अवर्णनीय

दुनिया में यों तो रिश्ते-नातों की बड़ी लंबी परंपरा है। देखें तो हर इंसान एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है, भावनाओं के स्तर पर, सामाजिक स्तर पर, सांस्कृतिक स्तर पर, भौगोलिक स्तर पर लेकिन जो खून के रिश्ते हैं, उनमें सबसे ज्यादा अहमियत मां को प्राप्त है। शास्त्रों में पृथ्वी को मां और आकाश को पिता कहा गया है। कभी रवींद्रनाथ ठाकुर ने यह कहा था कि *भगवान अभी बच्चों को धरती पर भेज रहा है, इसका अर्थ यह है कि अभी वह मानव जाति से निराश नहीं हुआ है और मानव जाति को जिस इकाई ने अपनी ममता, दया, करुणा और मोहब्बत से सबसे ज्यादा सींचा है, उसका नाम मां है।* देवताओं से लेकर संतों, महापुरुषों ने मां की महिमा बखान की है। मां के ऋण से एक बच्चा पूरे जीवन भर उऋण नहीं हो पाता। मां की इसी महिमा को स्मरण करने के लिए हर साल मई माह का दूसरा रविवार मातृ दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चे अपनी मां के प्रति अपने लगाव, स्नेहिल प्रेम का इजहार करते हैं।

निःस्वार्थ होती है मां की ममता

शास्त्र कहते हैं, *माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः।* यानी, मां पृथ्वी है और हम सब उसके पुत्र हैं। एक पृथ्वी के रूप में मां जो दुख-दर्द सहती है, वह शायद और कोई दूसरा नहीं समझ सकता। शायर मुनव्वर राना अपनी एक गजल में कहते हैं, *बुलंदियों का बड़ा से बड़ा निशान छुआ, मां ने जो गोदी में उठाया तो आसमान छुआ।* इसका अर्थ यह है कि इंसान की उपलब्धियों और तरक्की के पीछे मां की दुआएं ही होती हैं। रिश्तों में यह मां ही है, जो अपनी संतानों के प्रति अपने दायित्व को नहीं भूलती। खुद रूखा-सूखा खाकर भी बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए पूरा जीवन होम कर देती है, बिना किसी प्रत्याशा में कि यह बच्चा आगे चल कर उसके बुढ़ापे की लाठी बनेगा भी या नहीं। उसकी ममता निःस्वार्थ होती है। अकसर देखा जाता है कि मांएं अपने कमजोर बच्चों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक दयावान होती हैं। यह तो उस बच्चे के प्रति न्याय है कि जो किसी कारणवश तरक्की की दौड़ में कहीं पीछे रह गया है, उसे मां विशेष तरजीह दे, सहारा दे, उसे संभलने में मदद करे। इस पर मुनव्वर राना ने तो एक गजल में यह तक कहा है, *मां अगर पागल भी है तो उसे गौर से देखिए अपने बच्चों के प्रति मोह-ममता नहीं छोड़ती। यह चीज उसे पागलपन में भी नहीं भूलती। खुदा ने यह सिफत दुनिया की हर औरत को बख्शी है/ कि वो पागल भी हो जाए तो बच्चे याद रहते हैं।*

मां में समायी होती है संतान की पूरी दुनिया

यह सही है कि आज रिश्ते-नातों से जुड़े हर संबंध को पैसों की तुला पर तोला जाता है। अगर मां के पास बच्चों को कुछ ठोस देने के लिए है तो उसके लिए इज्जत है। लेकिन अगर वह वृद्धावस्था में हैं या जीवन में अकेली पड़ गई हैं तो बहुत कम बच्चे ऐसे हैं, जो मां का सहारा बनते हैं या मां को अपने घर में आदर से रखते हैं और उसकी मोह ममता के प्रति सदैव कृतज्ञ बने रहते हैं। यह कृतज्ञता उनके लिए एक दिन का दिखावा नहीं होता, बल्कि यह उनके दैनंदिन संस्कार में शामिल रहती है। ऐसे भी बच्चे हैं, जो मां की हर पल की अनुपस्थिति को याद करते हुए जीते हैं। कवि यश मालवीय के शब्दों में, *किस तरह कैसे न पूछो। जी रहा बेटा सलोना। मां तुम्हारा नहीं होना।*

मां को देते रहें प्यार-सम्मान

मां की ममता, दया, करुणा, हृदय की विशालता की बहुत चर्चा होती है। वह होती है तो घर का दूसरा पर्याय होती है। वह नहीं होती तो उसकी कमी खलती रहती है। वह होकर भी और न होकर भी हमारे भीतर होती है। लेकिन क्या हम जीते जी मां को पहचान पाते हैं? उसके सुख-दुख से वास्ता रख पाते हैं? ऐसा सर्वथा नहीं होता। दुनिया इतनी स्वार्थी हो चुकी है कि कभी बूढ़ी स्त्री को किसी तीर्थ किसी अजाने स्टेशन पर छोड़ कर अपने दायित्व से मुक्ति पा लेती है। सच, कितनी बहुरंगी दुनिया हो चुकी है कि हर दिन को किसी न किसी के लिए मुकर्रर कर रखा है। जैसे कि उस एक दिन के अलावा उसकी कोई अहमियत ही न हो। मां के लिए भी एक दिन मुकर्रर है। पर मां तो हर दिन मां है, वह है भी तो, नहीं भी है तो भी। जरूरत है मां को प्यार दिया जाए। उसे सम्मान दिया जाए। इसलिए मां जब तक हमारे बीच हैं, उस ममतामयी मूर्ति का ध्यान रखें। आज मातृ दिवस पर आइए मां को स्मरण करें। उनके साथ समय बिताएं। उनसे बचपन के किस्से व कहानियां सुनें और उसे जताएं कि मां हम आज भी तुम्हें कितना स्नेह करते हैं, कितना आदर करते हैं। *

कुछ मांएं क्यों रह जाती हैं उपेक्षित

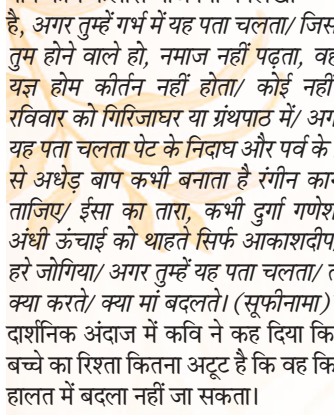

मां की महिमा का कितना गुणगान किया जाता है, फिर भी जैसे-जैसे समाज पूंजीपरस्त होता जा रहा है, दुनिया में धन-दौलत का बोलबाला बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे ही हमारे दिलों की दुनिया संकीर्ण होती जा रही है। एक जमाना था, मांएं अपने छह-सात बच्चों को एक साथ पाल-पोस कर बड़ा करती थीं और उन्हें शिक्षा-दीक्षा दिलाते हुए जीवन की सच्ची राह दिखाती थीं। लेकिन आज की उत्तरोत्तर छोटी होती दुनिया और एकल होते परिवारों में उसकी जगह नहीं है या उसकी जगह कम पड़ती जा रही है। आज स्थिति यह है एक मां के साथ उसके छह-सात बच्चे एक साथ रह सकते हैं लेकिन किसी एक बच्चे के परिवार के साथ मां-पिता का रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आज जो स्थिति है, उसमें मांएं निरंतर अकेली हो रही हैं। हाल के वर्षों में एकल मांओं की संख्या बढ़ी है। पति-पत्नी के बीच खट्टे होते संबंधों के इस दौर में कितनी मांए अपने बच्चों के साथ अकेले रहने को विवश हैं। ऐसे संकीर्ण वातावरण में मातृ दिवस हर साल मां के महत्व को याद दिलाने के लिए आता है और सोशल मीडिया मां की ममता और मां के सम्मान की पोस्टों से भर जाते हैं। ऐसे लगता है मां के प्रति इस समाज में कितना प्यार और कृतज्ञता है। ऐसी स्थिति में हर साल मातृ दिवस आकर फिर हमें एक बार झकझोरता है कि क्या मां के प्रति प्रेम हमारे भीतर बचा हुआ है, हम स्वतः मां के प्रति अपने दायित्व से जुड़े हैं या हम समाज के रवायत के रूप में उसके प्रति मोहब्बत और आदर का दिखावा मात्र कर रहे हैं?

जुड़ाव
डॉ. अनिता राठौर

यह सही है कि जीवन के अधिकांश काम करने में सक्षम डिजिटल वर्ल्ड के इस दौर में दुनिया भर में किसी को हम अपना दोस्त बना सकते हैं, नया रिश्ता जोड़ सकते हैं। लेकिन मां-बच्चे का रिश्ता और आपसी जुड़ाव इससे परे होता है। ऐसा होने की क्या वजहें हैं...

मां-बच्चे का रिश्ता सबसे गहन-सबसे अनूठा

आज के दौर में डिजिटल दुनिया हमारी लगभग हर समस्या का तुरंत एक रेडीमेड विकल्प मुहैय्या कराती है। यह दोस्ती के लिए सोशल नेटवर्क देती है। जानकारी पाने के लिए गूगल उपलब्ध कराती है। मनोरंजन के लिए यू-ट्यूब है। इसके पास हमारी हर तरह की भावना के लिए, हर तरह की जरूरत के लिए कोई न कोई विकल्प होता है। लेकिन इसके पास मां का कोई विकल्प नहीं है।

अद्वितीय होती है मां: मां का रिश्ता किसी लैंग्वेज बाइनरी से नहीं, किसी पिक्सल या डिजिट से नहीं, सीधे-सीधे दिल से जुड़ा होता है। मां हमें बिना शर्त प्यार करती है, जबकि सोशल मीडिया का सारा संतुलन, इसका सारा गणित लाइक और फॉलो जैसी शर्तों पर टिका होता है। मां शायद दुनिया में अकेली ऐसी शख्स होती है, जो अपने बच्चों के हर तरह के कष्टों को, हर तरह की तकलीफ को बिना उनके एक शब्द बताए जान लेती है। सोशल मीडिया तो हमारा तब नोटिस लेता है या नोटिस करता है, जब हम पोस्ट डालते हैं। जबकि मां हमें हमेशा लाइक करती है, हर हाल में प्यार करती है, अपनी हर सांस में हमारे लिए दुआएं करती है। मां हमें कभी एडिटेड वर्जन में नहीं चाहती या समझती। हम जैसे हैं, वैसे ही मां के सबसे प्यारे, सबसे लाडले होते हैं। इसीलिए मां का डिजिटल डिस्कोर्स में कोई विकल्प नहीं है।

हर तर्क से परे रिश्ता: मां का रिश्ता समय, ट्रेंड या टूल्स से परे होता है। मां का वो रिश्ता, जो महसूस किया जाता है, उसे किसी भी दुनियावी कैटेगिरी में नहीं डाल सकते। सोशल मीडिया पर लोग इसीलिए कभी मां के जैसे रिश्ते नहीं तलाशते, क्योंकि मां का रिश्ता किसी विश्वास भर से नहीं होता। मां का रिश्ता कुदरती होता है। कभी किसी को यह एहसास भी नहीं होता कि मां की किसी बात पर अविश्वास भी किया जा सकता है। मां का रिश्ता एक समर्पण है, उसमें किसी तरह का समीकरण तलाशना या किसी किस्म का तर्क तलाशना, उसे बहुत छोटा करना है। मां का रिश्ता हर तरह के तर्क से ऊपर होता है, यह समर्पण में पलता है और त्याग से फलता है। जबकि सोशल मीडिया पर हम अकसर दिखावा, मनोरंजन या महज त्वरित जुड़ाव चाहते हैं। जबकि मां के रिश्ते में स्वतः धैर्य, गहराई और निःस्वार्थतता होती है, जो कभी किसी क्लिक या पोस्ट से नहीं मिल सकता। इसलिए कहते हैं, मां वो प्यार की किताब है, जिसे पढ़ने के लिए इंटरनेट नहीं धड़कता हुआ दिल चाहिए।

जैविक जुड़ाव से आती है गहनता: मां के रिश्ते की बायोलॉजी को अगर समझें तो स्पष्ट होगा कि आखिर वह दुनिया के बाकी सभी रिश्तों से इतनी भिन्न क्यों होती है? मां का रिश्ता इसीलिए सबसे अलग होता है, क्योंकि इसके पीछे की बायोलॉजी कुछ और ही है। दरअसल, मां और उसके बच्चों के बीच जिस तरह का अटूट भावनात्मक रिश्ता होता है, वह किसी परवरिश, किसी समझदारी या ज्ञान से नहीं आता। ऐसे रिश्ते की अपनी एक जैविकता या बायोलॉजी होती है। अगर इस रिश्ते के सबसे मजबूत और सबसे भिन्न पहलू को जानें तो वो होता है, मां और उसके बच्चे के बीच मौजूद गर्भनाल का रिश्ता। मां और शिशु एक अंबिलिकल कॉर्ड से आपस में जुड़े होते हैं, इसी कॉर्ड या नली के जरिए नौ महीने तक मां के पेट में पल रहा बच्चा, मां के खून से, मां की सांसों, मां के खाए गए खाने से, मां की खुशियों से, मां की परेशानियों से बनता है। शिशु के अंदर जो भी कुछ होता है, नौ महीने तक वह सिर्फ और सिर्फ मां का होता है। उसमें दुनिया की, कुदरत की कोई भी अलग से हिस्सेदारी नहीं होती। मां के खून से ही शिशु को ऑक्सीजन मिलती है, शिशु को पोषण मिलता है। इसलिए मां और उसके बच्चे के बीच के रिश्ते को दुनिया के किसी भी रिश्ते से साझा नहीं किया जा सकता। किसी भी रिश्ते से इस रिश्ते की तुलना नहीं हो सकती। क्योंकि यह कोई रिश्ता है ही नहीं, यह एक जिस्म के दो हिस्से हैं। यह साझी धड़कनों का रिश्ता है। यह ऐसा रिश्ता है, जिसको एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। गर्भावस्था में मां के शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन ज्यादा बनता है। यही हार्मोन लगाव और प्रेम पैदा करता है। इसी से मां और उसकी संतान के बीच ताउम्र एक गहरा जुड़ाव और अटूट संबंध बनता है। *

कविता / सरस्वती रमेश

मां की उपस्थिति

मां तुम्हारी उपस्थिति से
घर को नया अर्थ मिलता है
रिश्तों को ऊष्मा
परिवार को स्नेह
ममता की आंच पर
रसोई में पकते हैं
संतुष्टि के नए आयाम
भूख और भोजन का रिश्ता
भावना और अहसास सा
कोमल हो जाता है
और भोजन का हर निवाला
प्रसाद सा पवित्र

मां तुम्हारे होने से
घर का हर कोना
सजीव हो उठता है
तुम्हारे प्यार की गर्माहट
बिखरी रहती है हर तरफ
जीवन की कड़ी धूप में
तुम्हारे आंचल का साया
घना और शीतल आश्वासन है
कि तुम्हारे होने भर से
मुश्किलों के पहाड़
बौने और कमजोर
पड़ जाते हैं।

छोटी कहानी / शीला श्रीवास्तव

तरकीब

'मां जी यह लीजिए मटर, फटाफट छील दीजिए। राहुल को मटर की कचौड़ी खानी है।' बड़ी बहू अपनी सास को मटर की थैली थमाते हुए बोली। सविता जी जल्दी-जल्दी मटर छीलने लगीं। जैसे ही मटर छीलने काम खत्म हुआ, छोटी बहू चावल बिनने के लिए थाली थमा गई। सविता जी का सारा समय दोनों बहुओं के दिए हुए काम में ही बीत जाता था। दो पल सुकून की सांस लेना भी उनके नसीब में नहीं था, जबकि दोनों बहुएं अपने-अपने काम से निवृत्त होकर दोपहर की नींद भी ले लेती थीं। पड़ोस में रहने वाली उनकी हमउम्र सहेली वीणा जब भी आतीं, सविता जी को काम करते देखतीं। आज उनसे रहा नहीं गया, उन्होंने कह ही दिया, 'यह क्या सविता? जब देखो तब काम में लगी रहती हो। यह कोई उम्र है काम करने की, सत्तर की हो चली हो तुम।'

'क्या करूं वीणा, मजबूरी है। मैं भी चाहती हूं कि जिंदगी की आखिरी पड़ाव में भगवान में मन लगाऊं।' सविता जी लाचारगी भरे स्वर में बोलीं। 'क्या तुम्हारी बहुएं बिना काम किए तुम्हें खाना नहीं देतीं?' वीणा ने पूछा। 'अब तुमसे क्या छिपाना। मेरे पति के देहांत के बाद दोनों बेटों ने आपस में तय कर लिया, दिन का खाना बड़ा बेटा देगा, रात का खाना छोटा बेटा। इसके एवज में दोनों बहुएं जब-तब मुझे कुछ न कुछ काम थमा देती हैं।' कहते हुए सविता जी के नेत्र सजल हो उठे।

वीणा कुछ सोचते हुए बोली, 'अच्छा बताओ, यह घर किसके नाम पर है?'

'घर तो मेरे नाम है।' सविता जी ने बताया।

'फिर तो कोई टेंशन ही नहीं है। एक तरकीब है मेरे दिमाग में। मेरा एक भतीजा है, जो वकील है। मैं उसे तुम्हारे पास सब कुछ समझा कर भेज दूंगी। तुम बस उससे थोड़ी-बहुत इधर-उधर की बातें करना। उसके जाने के बाद दोनों बहुओं से कहना कि अब मेरी उम्र हो गई है। मुझसे ज्यादा काम-धाम नहीं होता, इसलिए मैंने फैसला किया है कि जो बेटा-बहू मेरी देखभाल अच्छे से करेगा, यह घर मैं उसके नाम कर दूंगी।' वीणा ने अपनी सहेली को समझाया।

'लेकिन वीणा, यह तो दूसरे बेटे के साथ अन्याय नहीं होगा?' सविता जी एक कसक लिए बोलीं।

'तुम्हें बस यह बात अपने बहू-बेटों के कानों में डालनी है, जो मैंने कही है। घर तो दोनों बेटों के नाम पर ही होगा, दुखी मत हो। सूझ-बूझ से काम लो। बस तुम्हारे बचे हुए दिन आराम से निकल जाएंगे।' वीणा मुस्कराते हुए बोलीं।

'यानी कि मुझे झूठ का सहारा लेना पड़ेगा।' सविता जी हिचक रही थीं।

'जिस झूठ से किसी का नुकसान न हो, वह झूठ बोलने में हर्ज क्या है?' वीणा बोलीं।

सविता को अपनी सहेली वीणा की बात समझ में आ गई। उन्होंने ठीक वैसा ही किया। अब दोनों बहुओं में सविता जी की सेवा करने की होड़-सी लग गई। काम से छुटकारा मिला सो अलग से। सविता जी मन ही मन वीणा बहन का शुक्रिया अदा कर रही थीं, जिनकी तरकीब की वजह से उनका बुढ़ापा सुखमय हो गया था। *

विज्ञापन.......

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर केनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in
NBC@

सांस्कृतिक आयोजन / धीरज बसाक

माउंट आबू में कल से शुरू हुआ समर फेस्टिवल, कई मायने में बहुत अलग और बहुरंगी आयोजन है। इसमें राजस्थान के सिर्फ अतीत की ही झांकी नहीं दिखाई जाती बल्कि यहां की लोक संस्कृति, शिल्प, संगीत और व्यंजनों को भी बहुत करीने से पेश किया जाता है, ताकि यहां आने वाले सैलानी राजस्थान की लोक संस्कृति के रंगों को करीब से महसूस कर सकें।

माउंट आबू समर फेस्टिवल

नेचर के करीब कला के रंग

राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला तीन दिवसीय 'माउंट आबू समर फेस्टिवल' लय और ताल की एक ऐसी सरगम रचता है, जिसमें शामिल होकर अलग ही आनंद की अनुभूति होती हैं। इस साल यह आयोजन कल आरंभ हो चुका है और कल यानी 12 मई को समाप्त होगा।

होते हैं कई आयोजनः माउंट आबू के इस विशेष बहुरंगी कार्निवल में लोकनृत्य, संगीत, रंग-बिरंगे जुलूस और एक से बढ़कर एक रोमांचक प्रतियोगिताएं देखने को मिलती हैं। इस तीन दिवसीय उत्सव में एक से बढ़कर एक कई आकर्षक आयोजन होते हैं। जैसे माउंट आबू की गोद में स्थित खूबसूरत नक्की झील में होने वाली नौका दौड़। इसके अलावा स्केटिंग रेस, मटका फोड़ प्रतियोगिता, रस्साकशी और रंग-बिरंगे जुलूस के साथ हर शाम समां बांधने वाली शाम-ए-कव्वाली कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। राजस्थानी संस्कृति, आदिवासी रीति-रिवाजों और लोकरंगी परंपराओं के फ्यूजन का जो नजारा माउंट आबू समर फेस्टिवल में दिखता है, वैसा लोकधर्मी आनंदोत्सव शायद ही कहीं और देखने को मिलता हो।

मिलता है अनोखा अनुभवः माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थान के सबसे मशहूर सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है, जो अपने आपमें राजस्थानी लोकसंस्कृति का सबसे बड़ा प्रतीक है। मई के महीने में जब राजस्थान ही नहीं बल्कि समूचे उत्तर भारत का मैदानी हिस्सा तप रहा होता है, तब मरु प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन यहां आने वाले सैलानियों को गर्मी की तपिश से जीवंत ताजगी का अनुभव प्रदान करता है।

गर्मी में ताजगी का एहसासः यह कहना गलत नहीं होगा कि यह ग्रीष्मोत्सव, यहां आए सैलानियों को मानसून के पहले कला और संस्कृति की आनंदमय बारिश में भीगने का सुकून देता है। माउंट आबू के मनोरम नजारे, शांत झीलें एक ऐसा वातावरण रचती हैं, जो इस उत्सव में चार चांद लगा देते हैं। यह पारंपरिक राजस्थानी संगीत का आनंदोत्सव है, जो अपनी रग-रग में राजस्थान के आदिवासी जीवन और संस्कृति का परिचय देता है।

हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला यह फेस्टिवल पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की चमक और उनके मेहनत, मशक्कत भरे जीवन में रंग-बिरंगी खुशबुओं का खजाना पेश करता है। युवा इस उत्सव में न सिर्फ सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साह से भाग लेते हैं, बल्कि नाचते-गाते, तरह-तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाते और उत्सव का आनंद लेते हैं।

दिखती है सांस्कृतिक झलकः राजस्थान का यह समर फेस्टिवल, भले प्रदेश के बहुत सारे समर फेस्टिवल्स में से एक हो, लेकिन इसमें प्रदेश के संपूर्ण सांस्कृतिक परिदृश्य की झलक दिखती है। इस लोकोत्सव में गवरी, घूमर, गेर, डांडिया जैसे कई तरह के लोकनृत्य प्रस्तुतियां देखने को मिलती हैं। साथ ही यहां हर शाम सूफी परंपराओं का एक ऐसा नजारा, भजन और कव्वाली के रूप में सामने आता है, जिसकी भव्यता का अनुमान इस फेस्टिवल में शामिल हुए बिना नहीं की जा सकती है। राजस्थान की लोकलुभावन पारंपरिक लोकसंस्कृति से इतर, यह कार्यक्रम बिल्कुल एक अलग आध्यात्मिकता के धवल रंग में डूबा माहौल रचता है, जहां लोग भक्ति और अध्यात्म के अलग स्तर का अनुभव करते हैं।

नायाब शिल्प का आकर्षणः माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थानी हस्तशिल्प और लोककलाओं का भी नायाब मंच है। इस फेस्टिवल में इस मरुधरा के विभिन्न हिस्सों से आए शिल्पकार अपनी कलाकृतियों के उत्कृष्ट नमूने पेश करते हैं। ऐसे में ये जहां आनंद का उत्सव है, वहीं कला का एक विहंगम मंच भी है।

जायकेदार व्यंजनों का मजाः राजस्थान के किसी भी दूसरे लोकोत्सव की तरह यहां भी सैलानी, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी ले सकते हैं। वैसे भी कहा जाता है, जहां राजस्थानी लोकरंग होंगे, वहां सबसे यादगार तो जायके का रंग ही होगा। इसलिए माउंट आबू समर फेस्टिवल, खासतौर पर गट्टे की सब्जी, मिर्ची बड़ा और दाल-बाटी-चूरमा के लिए सैलानियों के बीच खूब प्रसिद्ध है। इस फेस्टिवल में राजस्थान के हर कोने में बनने वाली तीन दर्जन से ज्यादा राजस्थानी मिठाइयां चखने का भी मौका मिलता है।

बड़ी तादाद में जुटते हैं सैलानीः माउंट आबू समर फेस्टिवल, इतना बहुरंगी होता है कि जो भी सैलानी एक बार यहां आता है, वो बार-बार यहां आना चाहता है। यही कारण है कि हर गुजरते साल के साथ माउंट आबू महोत्सव, देशी-विदेशी सैलानियों का बहुत बड़ा मिलनोत्सव भी बन चुका है। हर साल इस फेस्टिवल में यहां देश-विदेश के कई लाख सैलानी आते हैं, जिनमें सबसे ज्यादा गुजरात, पंजाब, दक्षिण भारतीय राज्यों, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग होते हैं, वहीं विदेशी सैलानियों में बड़ी तादाद यूरोपीय देश के सैलानियों की होती है। साल दर साल विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। क्योंकि पिछले कुछ सालों से इसकी लोकप्रियता बहुत बढ़ गई है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट / विवेक कुमार

अगर तमाम कोशिशों के बाद भी आप मनचाही प्रोग्रेस नहीं कर पा रहे हैं तो सेल्फ एनालिसिस करें, कहीं आप वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी के शिकार तो नहीं? इस बारे में हम दे रहे हैं यूजफुल सजेशंस।

आपकी प्रोग्रेस में बाधक है वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी

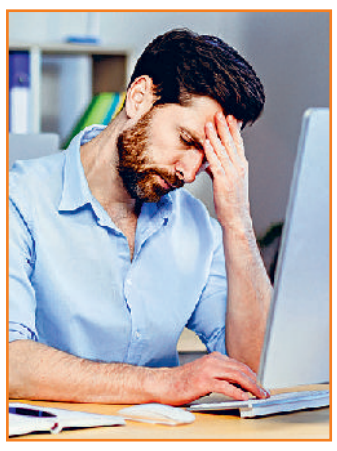

वीक पर्सनालिटी उनकी होती है, जिनका सेल्फ रेस्पेक्ट कम होता है, जिनमें कॉन्फिडेंस की कमी होती है और जो हमेशा दूसरों से प्रभावित होते हैं। ऐसे लोगों के रिश्तों पर भी इसका हमेशा नकारात्मक असर होता है। इनकी आवाज में भी हमेशा आत्मविश्वास की कमी झलकती है। वे अपने निर्णयों के प्रति अनिश्चित होते हैं। वे जो निर्णय लेते हैं, उसमें हर समय बदलाव करते रहते हैं। इसके विपरीत एक स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति इन गुणों से अलग होता है। ऐसा व्यक्ति अपने आपको जिस तरह से पेश करता है, वो अंदाज ही इंप्रेसिव लगता है। वह अपनी बात मजबूती और विश्वास से सामने रखता है। इसीलिए उसका लोग सम्मान करते हैं और उसे अधिकतर लोग पसंद करते हैं।

वीक कॉन्फिडेंस वाला आदमी सबकी हां में हां मिलाता है। वह जीवन को जिस ढंग से जीता है, उसके प्रति ही आश्वस्त नहीं होता। इसलिए वह दूसरों के तरीकों को सुनता है और उनका अनुसरण करता है। जो दूसरे कहते हैं, वही करता है। एक व्यक्ति के रूप में उसको अपने आप पर भरोसा नहीं होता। ऐसे लोगों में यहां बताए जा रहे गुण भी होते हैं। इन कमियों को दूर करके ही प्रोग्रेस की जा सकती है।

चुनौतियों से बचते हैंः ऐसे लोग संघर्ष और मुश्किलों से डरते हैं या कहें बचते हैं। वे अपने को इन कंडीशंस से बचाते हैं और चुनौती समाप्त होने की प्रतीक्षा करते हैं।

दूसरों को खुश करते हैंः वीक कॉन्फिडेंट व्यक्ति हमेशा दूसरों पर निर्भर रहते हैं, वे खुद को खुश करने की बजाय दूसरों को खुश करते हैं, जो व्यक्ति आत्मविश्वास से भरे होते हैं, वे हमेशा खुद को बेहतर बनाने और अपने जीवन को जितना संभव हो, उतना आसान और स्वतंत्र बनाने के तरीके खोजते रहते हैं।

दूसरों को महत्व देते हैंः कमजोर लोग खुद को लेकर इनसिक्योर होते हैं और वे हमेशा उन लोगों पर निर्भर रहते हैं, जिन्हें वे हमेशा पूर्ण मानते हैं। एक सफल व्यक्ति बनने के लिए आपको हमेशा निडर और मजबूत होना चाहिए। डर का सामना करना चाहिए और अपने भीतर आत्मविश्वास जगाना चाहिए।

नहीं होते ज्यादा दोस्तः लो कॉन्फिडेंट लोगों के ज्यादा और समझदार दोस्त नहीं होते हैं। वे अपने जैसे कमजोर लोगों से ही घिरे रहते हैं। असली भाईचारा किसी को आगे बढ़ने में मदद देने के साहस के साथ आता है और वो साहस ही है, जिसकी एक व्यक्ति को जरूरत होती है न कि किसी कमजोर आत्मविश्वास वाले व्यक्ति की। सफलता के लिए आपको तेज दिमाग और आत्मविश्वास से भरपूर लोगों के बीच रहने की जरूरत होती है, जो आगे बढ़ने में आपकी मदद करें।

नहीं ले पाते फैसलेः लो कॉन्फिडेंट लोग अपने जीवन के छोटे हों या बड़े फैसले आसानी से नहीं ले पाते हैं। हर फैसले के लिए उनको दूसरों के सलाह और सहायता की जरूरत होती है। ऐसे लोग बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाते हैं। इसलिए खुद में डिसीजन मेकिंग की पावर डेवलप करना बहुत जरूरी है।

कमजोर होती है आवाजः किसी व्यक्ति की आवाज और उसके बोलने का अंदाज बताता है कि वह कमजोर आदमी है या मजबूत आदमी। वे खुद पर भरोसा नहीं दिखाते और आमतौर पर दूसरों द्वारा इग्नोर किए जाते हैं। आत्म जागरूकता की कमी के कारण ऐसे लोग अपने पर विश्वास नहीं करते इसलिए खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते हैं। कमजोर आदमी को उसके आवाज के लहजे से पहचानना आसान है। जब आप लोगों से बात करते हैं तो आत्मविश्वास दिखाना यह दर्शाता है कि आपको खुद पर दृढ़ विश्वास है।

सीखने से बचते हैंः जो आदमी सीखने का इच्छुक होता है, वह आत्म सुधार को महत्व देता है। ऐसा गुण कोई कमजोरी नहीं दिखाती, निरंतर सीखना आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आदत है और यह रोजमर्रा के जीवन में शामिल होना चाहिए। रोज सीखने से आपके जीवन के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य विकसित होता है और आपके आस-पास की हर चीज को अर्थ मिलता है। लेकिन वीक पर्सनालिटी वाले लोग नई स्किल्स को सीखने और ज्ञान को अपनाने से इंकार करते हैं। यही इनकी सबसे बड़ी कमजोरी होती है। ऐसे लोग कम ज्ञान का भी बहुत ज्यादा दिखावा करते हैं। वहीं स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति हमेशा सीखने को तैयार रहता है। कहने का सार यही है कि अगर आपकी पर्सनालिटी में कॉन्फिडेंस की कमी है तो उसे दूर किया जा सकता है, अपनी पर्सनालिटी को स्ट्रॉन्ग बनाया जा सकता है। *

प्राकृतिक धरोहर / शिवचरण चौहान

सिंधु नदी को गंगा नदी के समान ही पूज्य और जीवनदायिनी माना जाता है। इन दिनों चर्चित सिंधु नदी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य जानिए, जिससे आप इसकी महत्ता को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।

भारत की प्राचीनतम भव्य-दिव्य सिंधु नदी

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक सिंधु नदी, दुनिया की सबसे लंबी नदियों में भी शामिल है। इस नदी का उल्लेख दुनिया के प्राचीनतम ग्रंथ 'ऋग्वेद' में भी मिलता है। इसके बारे में ऋगवेद में कहा गया है कि यह अत्यंत वेगवान नदी है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति को समझने के लिए सिंधु घाटी सभ्यता का अध्ययन आवश्यक माना जाता है। एक पूरी सभ्यता का नामकरण जिस नदी के नाम पर हुआ है, इतिहास में उस नदी की महत्ता को सहज ही समझा जा सकता है।

प्राचीन ग्रंथों में उल्लेखः ऋग्वेद सहित अन्य तीनों वेदों में भी सिंधु नदी का उल्लेख तीस बार से भी अधिक आया है। वाल्मीकि कृत 'रामायण' में सिंधु का उल्लेख महानदी के रूप में मिलता है। 'महाभारत' और कालिदास कृत 'रघुवंशम' आदि ग्रंथों में सिंधु की पवित्रता का बखान किया गया है। ऋग्वेद में कहा गया है कि कैलाश शिखर से तीव्र वेग से नीचे गिरने वाली सिंधु नदी के गर्जन की ध्वनि आसमान तक गूंजती है। सिंधु की तुलना एक गरजते हुए वृषभ (बैल) से की गई है। लेह-लद्दाख के प्राकृतिक सौंदर्य और सिंधु का कलकल स्वर बरबस ध्यान खींच लेते हैं।

तट पर हुई सभ्यता विकसितः हजारों साल पहले इसी सिंधु नदी के किनारे बड़े-बड़े नगर, गांव कस्बे बसे हुए थे। खुदाई में इनके अवशोष मिले हैं। जिनसे प्राचीन सभ्यता का अनुमान लगाया गया है। सिंधु घाटी सभ्यता यहीं इसी नदी के तट पर पनपी थी।

नदी का उद्गमः सिंधु नदी, हिमालय से दक्षिणी पश्चिमी तिब्बत, मानसरोवर के कैलाश पर्वत के पास सिन का बाब ग्लेशियर से निकलती है। 16 हजार फीट ऊंचे उद्गम स्थल से निकलने के बाद यह नदी लद्दाख में देमचोक के निकट भारत भूमि में प्रवेश करती है। कुछ और नीचे उतरने पर श्योल, शिग, हुंजा, गिलगित आदि नदियां सिंधु में मिल जाती हैं। इस तरह सिंधु नदी, भारत में हिमालय से तिब्बत के पास एक ग्लेशियर से निकल कर पाकिस्तान के कराची शहर के पास अरब सागर में गिरती है। सतलज, रावी, चिनाब, झेलम आदि नदियां सिंधु की ही सहायक नदियां हैं। सिंधु नदी की लंबाई लगभग 2880 किलोमीटर है।

सिंधु दर्शन कार्यक्रमः भारत सरकार ने सिंधु की प्राचीनता, सभ्यता और संस्कृति को रेखांकित करने के लिए, देश और विदेश के लोगों को इस नदी और इसकी सांस्कृतिक महत्ता को बताने के लिए सिंधु दर्शन कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1998 में की थी। अपने प्रधानमंत्री पद के कार्यकाल में अटल बिहारी बाजपेयी ने सिंधु दर्शन कार्यक्रम शुरू किया था। प्रत्येक वर्ष जून माह में लेह स्थित सिंधु नदी के तट पर सिंधु दर्शन कार्यक्रम संपन्न होता है। सिंधु तट पर बौद्ध अध्ययन संस्थान तथा सिंधु सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किया गया है। सिंधु दर्शन कार्यक्रम जातीय एकता, सामुदायिक सौहार्द को बढ़ाने के साथ सिंधु नदी, सभ्यता संस्कृति को आदर देने का प्रतीक है।

सिंधु तट पर आयोजित सिंधु दर्शन कार्यक्रम की झलक

डाक टिकट किया गया जारीः डाक विभाग ने पवित्र नदी सिंधु की महत्ता प्रतिपादित करने तथा सिंधु दर्शन कार्यक्रम का प्रचार करने के लिए तीन रुपए मूल्य का एक बहुरंगी विशेष डाक टिकट जारी किया है। डाक टिकट में उतुंग पर्वत श्रेणियों से बहती सिंधु के प्राकृतिक स्वरूप का चित्रण किया गया है तथा इनसेट में वृषभ मुद्रा तथा ऋगवेद की एक पंक्ति अंकित है। दरअसल, सिंधु घाटी के साथ ही मोहन जोदड़ों तथा हड़प्पा की सभ्यता की खुदाई में जो सिक्के मिले हैं, उनमें वृषभ (बैल) के चित्र बने हैं। उस सभ्यता में गाय और बैल पूज्यनीय माने जाते थे। बैल ही कृषि का तथा परिवहन का मुख्य आधार थे। सिंधु घाटी सभ्यता की बहुत सी जानकारी अभी खोजी जा रही है। *

मां हर इंसान के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। हमारी फिल्मों में भी मां की भूमिका और उनके महत्व को बहुत ही सशक्त ढंग से उभारा गया है। फिल्मों में मां की भूमिका को कई अभिनेत्रियों ने अपने सशक्त अभिनय से यादगार बना दिया। एक नजर ऐसी ही कुछ अभिनेत्रियों पर।

इन अभिनेत्रियों ने यादगार बना दिया फिल्मों में मां का किरदार

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

हम सबकी जिंदगी की कहानी में ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी कथानक का अहम हिस्सा रही हैं। किरदार, अंदाज चाहे जो भी रहा हो, कई ऑनस्क्रीन मांओं ने हमेशा दर्शकों के मन पर अपनी अलग छाप छोड़ी। कई फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें मां के किरदारों ने ही सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कुछ अभिनेत्रियों ने मां के किरदार को इतनी बखूबी निभाया कि फिल्मों में मां की बात हो, तो जेहन में इनकी ही छवि उभरती है।

नरगिस की पहचान से जुड़ गई-मदर इंडियाः जब भी फिल्मों में मां की सशक्त भूमिका का जिक्र आता है, 'मदर इंडिया' में नरगिस द्वारा निभाई गई भूमिका को जरूर याद किया जाता है। 1957 में आई इस फिल्म में नरगिस ने राधा का किरदार निभाया, जो एक मां है और अपने दोनों बेटों को बेहतर जीवन देने के लिए संघर्ष करती है। फिल्म में नरगिस ने सुनील दत्त और राजेंद्र कुमार की मां की भूमिका को जीवंत किया था। उन्होंने ऐसी मां का किरदार निभाया, जिसके हाथ अपने बेटे के अन्याय करने पर उसकी जान लेने से नहीं हिचकते।

अचला सचदेव

दीना पाठक

अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां निरुपा रायः निरुपा राय का नाम सुनते ही जेहन में उनके द्वारा निभाई गई मां की कितनी ही भूमिकाएं एक साथ उभरती हैं। उन्हें अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कई फिल्मों में अमिताभ की मां की भूमिका निभाई। 'दीवार' में निरुपा रॉय ने एक ऐसी मां का किरदार निभाया, जो अपने बेटों के लिए सब कुछ करती है। उन्होंने 'मुकद्दर का सिकंदर', 'अमर अकबर एंथनी', 'सुहाग' जैसी फिल्मों में भी अमिताभ की मां की भूमिका निभाई।

मां की भूमिका में खूब पसंद की गईं नूतनः अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया नूतन ने भी कई फिल्मों में मां की भूमिका निभाई। इनमें 'मेरी जंग', 'नाम', 'मुजरिम', 'युद्ध और 'कर्मा' जैसी फिल्में उल्लेखनीय हैं।

राखी ने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएंः यदि निरुपा राय को अमिताभ की मां कहा जाता है, तो राखी अनिल कपूर की फिल्मी मां कही जाती हैं। 'राम लखन', 'प्रतिकार', 'जीवन एक संघर्ष' में राखी, अनिल कपूर की मां बनी थीं। इन फिल्मों के अलावा 'खलनायक', 'सोल्जर', 'बॉर्डर', 'करण-अर्जुन', 'बाजीगर', 'अनाड़ी' जैसी फिल्मों में राखी ने मां का किरदार निभाया। राखी ने अधिकतर दृढ़, अपने विश्वास और संकल्प पर अडिग मां की भूमिकाएं निभाईं। 'राम लखन', 'करण-अर्जुन' जैसी फिल्मों में उनके निभाए मां के किरदार को लोग आज भी याद करते हैं।

नब्बे के दशक की प्यारी मां रीमा लागूः नब्बे के दशक में रीमा लागू ने नए दौर की पारिवारिक और प्यारी मां की भूमिका को पर्दे पर जीवंत किया। रीमा लागू को सलमान खान की फिल्मी मां के रूप में पहचान मिली है। इन्होंने 'मैने प्यार किया', 'साजन', 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ-साथ हैं', 'जुड़वां' और 'पत्थर के फूल' जैसी सुपरहिट फिल्मों में सलमान खान की मां की प्रभावी और यादगार भूमिकाएं निभाईं। उनकी मां की भूमिका वाली अन्य फिल्मों में 'कयामत से कयामत तक', 'आशिकी', 'कुछ-कुछ होता है' आदि शामिल हैं। 'वास्तव' में उनके द्वारा निभाया गया संजय दत्त की मां का रोल बहुत ही सशक्त एवं प्रभावशाली था।

'मदर इंडिया' में सशक्त मां की भूमिका में नरगिस

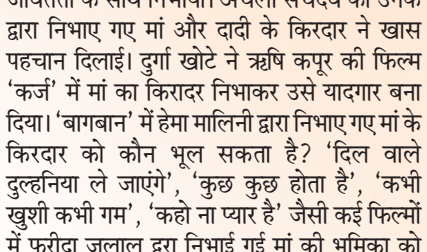

'राम लखन' में मां के किरदार में राखी

'दीवार' में निरुपा राय ने निभाई मां की यादगार भूमिका

हजार चौरासी की मां जया बच्चनः जया बच्चन के फिल्मी करियर में उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार भी उल्लेखनीय हैं। 'हजार चौरासी की मां' में उनके द्वारा निभाई गई एक सशक्त मां की भूमिका का जिक्र आज भी किया जाता है। 'कभी खुशी कभी गम' और 'कल हो ना हो' में भी जया बच्चन द्वारा निभाए गए मां के किरदार को खूब सराहना मिली।

रीमा लागू

जया बच्चन

इन्होंने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएंः इनके अलावा हिंदी फिल्मों में ऐसी कई बेहतरीन अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने सिल्वर स्क्रीन पर मां की भूमिका को पूरी जीवंतता के साथ निभाया। अचला सचदेव को उनके द्वारा निभाए गए मां और दादी के किरदार ने खास पहचान दिलाई। दुर्गा खोटे ने ऋषि कपूर की फिल्म 'कर्ज' में मां का किरादर निभाकर उसे यादगार बना दिया। 'बागबान' में हेमा मालिनी द्वारा निभाए गए मां के किरदार को कौन भूल सकता है? 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'कहो ना प्यार है' जैसी कई फिल्मों में फरीदा जलाल द्वरा निभाई गई मां की भूमिका को दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म 'दोस्ताना' की कूल मदर हो या 'देवदास' की कठोर मां या फिर 'हम तुम' की फ्रेंडली मॉम, किरण खेर ने हर तरह की मां की भूमिका को जीवंत किया। लीला चिटनिस, दीना पाठक, वहीदा रहमान, आशा पारेख, रेखा, रति अग्निहोत्री ऐसी कितनी ही अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने समय-समय पर फिल्मों में मां की भूमिका निभाईं और उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की खूब सराहना मिली। *